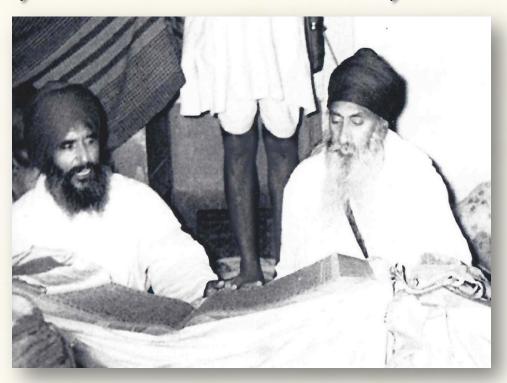
९६ ਸਤਿਗੁਰਪ੍ਰਸਾਦਿ॥

मी मार्य मार्यिय यूजारि

ਵਕਤਾ: ਸੰਤ ਗਿਆਨੀ ਗੁਰਬਚਨ ਸਿੰਘ ਜੀ ਖਾਲਸਾ ਭਿੰਡਰਾਂਵਾਲੇ



ਲੇਖਕ : ਗਿਆਨੀ ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ ਜੀ 'ਲਿਖਾਰੀ ਜਥਾ ਭਿੰਡਰਾਂ'

स्टियं वी अपने किंडियाँ

Facebook.com/GianiPritamSinghJiLikhari

Introduction

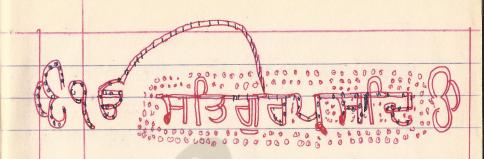
This PDF contains the handwritten notes of Giani Pritam Singh Ji while he was studying under the tutelage of Sant Giani Gurbachan Singh Ji Khalsa Bhindranwale. This PDF contains notes of arth (meaning of Gurbani) written during the katha of Sri Jaap Ji Sahib. This was written by Giani Pritam Singh Ji in 1962, at the start of the Katha of Sri Dasam Granth Sahib Ji by Sant Giani Gurbachan Singh Ji Bhindranwale in Pind Vadda Rajoana. It is a wealth of spiritual knowledge, so please read it yourself and share with others. For more books, audio and video of Giani Pritam Singh Ji and Damdami Taksal visit our facebook page:



www.facebook.com/gianipritamsinghjilikhari

(8)





भवि माय मारिव प् जारिष्ठियमारे

हिं सार वा मी गर् ने विस्तिय जी भरांग्य मी भरिस्थत मारित का हिन वाष्टित उन्हीं में टह हा तारे १७ पर्द्शिह माची है आ छाना पीय मा कि भाग भी िमाने कुट्टे में मिड्टा बारा डिमान वीडा, भी के पिमा विमां है हवारिमा, कित्र निम्न निम्न हिमा हिमामियामियामित माने माने निष्ण माने उठकार को मिम भीकर मिरा मेरी हामा मारिव, वर्ट पीन मत्वे है ठर्दे मत राइ कि मामी बुक गरे जं की मार्म कि लिए लाह में नि मिंग कि जं मार्ग ही भी पिउरी राउ मधा मार्च में विग वह भी भित्र राविश्वा खळा हतनाहां की में उसा सम हरें उहें हिने बारे हिन २० उनने मियारे भी भित्र पार वीता, जिसा हिन डिर्ज भाषाहां डे काने माधिस जारे ही मामल मत्र ,भीविड हे वै हर्डे घार, मी वेमगड़ है जा ही ही हा त्रीतामां, मन आलाम रीहात हिन् भा मिन गा, इर मुक्त विभा भी जिला है भी मारे है भी मारे है हा निया नाम निया जी, टिकि मिया की, टीम्वमिया की, हडे मिया की, "जहार मिया, मेरविन

मी का विकार करा है हिए मा जिस कि मार्थ मार्थ के का मी कि मार्थ गार्व कामही जाहा मुस्तरी दिने भी भिर हा हास दिभाव व विस्मा चुनी नाषी भी नाय माजिन सायाय वीडा वै किव विसे हे ना नग वीडा नु उड़ महिग्रें से हेम वर प वर गए ने गिन्सि में इस इस इसम इक् रेम देर पठम्ड री जरां। मपडिस्ता मेंडिड री डरां, हम जना (डराम मित उथिमा भाषी।। भगं वालक्ष्मका भगाषी।। एव विवि वन्ड उथिमाना भी। के डे हे व व्या री गणि। दिल्तां उर्श भावास प्रवय ने मार् भाग है पाम छ खारिमा निमर् मी गुवु राराव रेह जी हे भवाक अवसरे मरमसने रक्षा ही ब्रेंचा वी हैने उवां भवाल यत से हे मत्रम्य ज्ञाप मारिव ब्रेंच उत्वीउ है का मादिव है भारम भी भार्त है उन्हें वर है वारी समा बाही है भारत मि उस्ते मारिस महारे वें भिषा है। मा अ र तेव इ.मे वासाधी पाय विश्व में मारीन में में मारी में मारी कि वामी है वामी वाम प्रवेद बावां की मंत्र माहि भा है वह की हार हिंच श्रेत्व वीतीव मिंड ग्रंब के मांड क्षी वादी वादी वादी वादी के मांड का कि का कि का वादी वादी कि कि मांड का वादी की कि का विष्डुमा कि प्राप्त कि हिल्ल के कि एक कि हो कि विषय विषय हमार्किकिक्टि

नाय है (१९ हैर जर्म नीनाउ में नवर्ग १०००) सेन महिंग, जिल्लामा, स्वयर, राजी के हुए, उम्हेंगे, अनेन प्रमान मापने जा (भाग सेन) नाम है। (भाग सेन) नाम है। (भाग सेन) नाम है। (भाग सेन) उ विमायवा:- हिन मम् अर्डिंग्न म् स्र ग्रेंग्न में में ग्रेंग्न मिला में वरक दिया में में प्राप्त के वर्ष मांसी रे हैं मां हड प्रवाम कर कड़ मं उद्य भियामर पर मिन हका हिम चड यूरे में, में मेरवडा में इसम्। भागतेच वरवे भारित मधिन भामिन, विवस्तामात में, मी ग्रं की मिन्न मह हम के अवस्था माम वर्ष का भूता भागमा विभिन्न के मह मा के माने भगंगान विमा रिपार मिए प्रमान न्ये भाग वर्षे उत्तर है जाती, हिए मिमान वरी। उस मी मुंग मगंगा जीमिर्य वर्ते भारत वर्षे भी महत जनमन्डि ग्रमाधिय ती गर गर विसे वे भाग करूँ दी रहिस्ती क छेणार सम्वत्वेत है। मिम्यहान मिस्ति। हिंदि हिंदि हिंदि हिंदि । १०० मिस्ति हिंदा । सरकता ४० हरा महिकति हि हि हिनाम मार भा भारताम शायम । हिमरहे मि सिना देख कि सिना मार मि। देह हाम हिए जार की मही हांगमी वर्गित महेरा है हो हो हो में अहरा है हिसा है भी हिस में मार्थित हैर है भी मानतां उस मीहत मन जैवेहिमाने ना, भीन मन देव वे विभाने ना उस्म रहे में बर्ग में नेता है में में में हिने कीय ने हैं था। हिम था में छाड़ में अमापन महिह हिरह है में महमार हाइंएस समाम है हि हुमा है है कि ए हा (तरमाधिक प्र) भीड़िका हिस महिकार्यमाहि । भी हमीर्व र प्र हिहारि । (यारी)मी मनदार्गरादिमागुरि ॥इनमडुड र्रं निम्हार में हिन् हिन निर्माह नीं महैं महैंन अभी दी। ह अयाम सर्माद्गा माद्र प्राप्त द्वा है। बन हर्मा है।

यमारि महिस मुख्ये थे महा - बाव मिलागर हे हुव वववे म बा विमार है प्राम् वत्र हाला है। वावप्रादि वावां ही विया वववे भीमा हारिवाव भिलरा है। माहि मन जी मन वा किया हा का है मार माहि है मार महि है। १) हेरा रेवे वाविक्स हथाकिमा। ॥ है वा नमिवार याम अराकिमा॥ वाही वारताम माण हैक है मही दिर के क्षीम काही (उमार) दिस्त में कही का है महारिमा ॥॥ है। इसे हिस्ते हैं है हिस है हिस है। है। है। है। हिस है। है। है। ड्म बास इमरे अड़िन में वित्र में वित्र में वित्र में वा दिव विहें सिविष्णा ॥ हेउत से मेहा भारती व्याप नरें मगंगन जी डीवमां पव बारे डां वनमी भें जी भापने र मंजी रे(६३) इवारे इग्ने अर्थ मेर मत इं मांचाम की है अधिकां गर । अवारे हिंद किलवान क्रिन्त विना ने विनादि हासी क्रिक्टिय सा हा जन है ने क्रिका मार्ट्ड भड है (हा) मामंदीमां हे भड़िन हुम्य वरम पुरा है पैवेबत भीरे गर, हे मुम्ममार है उसा है कि हिमान के हम में हैं है हम में हैं हम के कि कि कि कि हम है का मेर (इस) अभ हामा मेर मार मार मार मार मार मेर कि मार (मार) भाग वि मा वारी, ने एगवर भानु में मठन वी विकास ववर हातारी ए भाववर्षेत्र भार मान मान वे भी जी वान वन में हाका त्रीवान भारत में पार्ं में प्रेवार माना हाका री भवानं रा रेरवर्व भवान स्वम का भवस री, वर्त गृह री प्राप्ता वर्ते॥ हिमाना माने बाह की तता एका नप्ति हिमारे का सबता की। मजान अमु बह की प्राप्ति वनवे मिल्ली रा अमनुप रे । भारण विट् केन्त्र में हितां राख्य वान वे भाषमता

ए निर्मित ही। भागमवाव हाममटी बेट मे दुसम प्राप्त श्रीट मेता आहमसा दामा-- विमार्थ के समारी केर में संसम्भिति वा नवासंव त्र - विवय अवक हा सक्सारी है - िवर वावन महिद नेजन सामें जीह वा हा क्व है कि हा न मन्य है सिम में। है--वार जिले धर बाद प्वार महत्र शैतिमरा हजमरी बेरमे हिन् तामे जीह गाविमा-प्राथमान में मह समान का नामिया है तार वे दिन हार मव्यवे ॥ मवान प्राप्तामा भीट मर्गाउ राडे हीम व मवश्र राज मार्थित एवाजा राहा मुव से प्राप्त होते मर्नि द्री ॥ भरत हिते ॥ भरत - भन् वे व्या दा हिर्दे भेषां भर - ४० हिर्दे मत सुम निउ मारीवानापर फितां ने हिहे एस नेहने । सर ने मारी ना हान है, मनघ ना यूव मंत्र भेरे हे मेत शहाक्ष की (हा) मेकिस की किसी मरीडह हिंगा दुवार प्राय आया म व्यक्त उउ - किमां विकास वर्गते क्या वाता सिंड र वर्गा।। मिडा दूरी वरमास्त्रा-य र्रे मडरी - मेरि के वाल काम का रीहे (हा) मन है मडा म हे तड़ी हे हु हाला (हा) में मन हिन मंड मर्थ है हा जिस ही मानियां हिन मंडा है। जाने मने मिमरी भारे बार्व वेतामागा नुमाहर की समिमाग बन साग्र वृध् देव वर्ष । वेस तीवाम विसमाप हा उनमें इकिंग का मामा ना ' उम अम आमार अधिर (हा) में ने ने मं मी मी अथित । झा इस द्वान में वैंग द्वा भी । विः बंव विवास ते अवस = अप्य हित्री ॥ ग्राहि अपुर वैत्र में ताव बेंग्र मुहारा में के दे ताव वुहारा भीत न्ट्रा। रामभीव् रा । भीरक्त्रे भाषमरार ब्या रियाण् एमेर बुपरी। भी। सुवा हा के ॥ हा विवाद सी वी दुनि अवाल नेवस ही महा सहा दुने व में हैं हा है. गुंब भी है जगरा हे कि भीड की मराय कि ही है वि इतां में एसी भूम ही

निमहिन जाप्वीयावितामा रेहे । हा भार्ने : पुत्रा ने युक्त नेवा रेहे (जा) से हिड्यात के विदा है माना जनाउ छमहिन मनन हिन भाग दिनामाय विमाग्यत में युनत ने गरी। मी मुसहार मेडा हाला रे से प्राप्ति हमरे हिंचे सिम मसी बनत उठामाउ उम्र है। मारी भाकत है (कर वारी है। १०० - हमभी (रम्भें मव्य मी गुंव विशिष्ट मिया की म अंवाज की किंग वत वे वरे वता हैंगे हैर हो भां उवां हाले हैं व हिन् एकावत राहिन है व माय जीवी यमरि विभादिमटी व ववे हिचा वर वर्ट मा श्रीत हमादार है सबने भीत पिमारे एता हैएडा भावास मनन । विसी मी ग्रें मेरिन मिला की। १। विसी मे पर रा। वे। इव महिन विड मिडि है बहिया वे केतरी वर्तरे गैरे महम्स भावाल प्रवस रे, पत्रहां। अहरा वैउदी मंग्रम रां गारी है। २ - भगंतान मारिश्व जी बाही है गार वेरे महा मिन हों है है। एड हट दे में महा महा है में है मिन मिन है। (म) क्य व्विष्टा विकार तममवान वनकी, भाने छम्म है हेवन हिन हतन है उिद्यां । हाह, मिने जीह सीम टा वस्त, विसे क्रमेंह पर है वार हवतने दिन हुए प बाही हिंगाव वरे व त डे भेवे कात पर भी मी बाहरी में पहतां। वीमा मव्य रे (च के) निम हिन हिम है हे बिक् याहित राहित करी रे (हा पर्म वैकारि ग्रंगरि

ने चित्र तरी(हा) ववमरा नक् ने येत्रहां वासरा नक् तरी जिमहिन ए हा) तरीमां मियां रे करूं रेकित तरा है। विचत केरी भाखा दिवें ही हरी। मान में गायतत भंदी व्यापरामारि मही (हा) अवनं रीविएशिंटन मही (हा) वैवानी वेंही राजी (हा) वसर की राजी जिल हिन ॥ मारि छुउपरी, माउ, ने मार ह ने निव है। (हा) वित्रे मांसा त्री॥ भवपादि बर्ग्ने, मेरी भारित मिरे प्रियामां ई वैतान भा हिन्दी र विभावा पीना अभारि हे निक्ष है हो। हे हे हे भाम दिखा रहा है। (हा) प्राम वे विदे नुगा का का का मां हा है। विशे वावसाहित हा भाषाव त्र किमहिन (हा) व्यारी दल्या त्रा में किमहिन (ब्या) वें वां भारितां ने किन ने के हो मारी है किए करी मारिक कि कि कि हिंग वर्त है मारिक है व राजा है जिस दिसा के वह समारित ही के राजी मैजिस दिसा में के के ने विद्रभाषामा प्रिचामी वेस मही में (हा) महा प्रवासिक विवास विद्या विवास प्र मया विव विमे प्रवान वेही विवि अरी मवरा मंदरी विशे हामाना वि वैमा मन्य है। (प्रात) मिथा विवा वे बाब जी हत दीमा मव्यवी। मचल, मुवि भारक मव्यवी भारक मंबरी है हमरी (हा) विमे भवाविमें हैं नेलारि मात्र प्री वीडा झांसा (हा) रेकतां मि कलाहि माप्यवेश हाका मवित नु ॥ मध्वे त्वांम में त्वाम मवित नु (डा) मधः वि 3 री । वि वर्षे । वे ने वितर रे (का) महे युवाम है, विमे ने पूरे प्वाम गरी है में (हा) मह मिना मार्च प्याप्तवरी । मूनम् इन्ने, विजली, भागती, मुगी, इर्मां भारिकां रा॥ भामि केम विभी भिष्ठित, भिर्मित विश्व विष्ठ विष्ठ विष्ठ विश्व विश् हिंव हा तेंड तेंड विभाडिय बन्दे तरी भीड बानमबन्दे तरी भाडिबान तबन्दे। विट

मार्चाव भीने प्रहितां हा की मार्च्याव ही मार्च हिंदा भाग हे हिंदू गार्थ व शिर्मिलाम ह वे ब्रु व वे वे विसं है हिसं प्रमिलासं ह वे वे वे वे वे भाग है वी वे विश्वी है विद्वारी मिल्नी ही जारे ही जारे है जिल्ली है मिल्नी है म डेहिंग है सम्प्रिक मिंद्र मान्य रामाय में मान्य किया ने वर उठा विवह य है। रेड रेड बेलिंडर विषेट हुर विरुठी देवा भड़ित भा वाल प्रम की। वर्र दिह अतां हिन ने वसां हिन विभाग्यत नै ॥ हा : नितां ने तां ना ना नी ने (वत) भी तां हिन विद्याधिक माने गीडेने माम सा वस्त त्वने ग्राहा अत- अस्ति है के उत्तामन विहरित्र विभाग्यत वै। बहा वात्र वाह्यमडी। वृष्ट-वस साहहाले।हि। विह - विही नामं पति है बहु हाले जेती। इ मनम तम वर्ष वहत वे मनंतान भाग नीहे ताहां है बेत वस्त वव मवरा है। वहम तम्म यहिंड मुमिंड भाग्की है में विडम तम है हैं। मित्र ही के तह ही मार्च ही भारत है कि हो लिंड हिम उसमें एंडे माने गाम तकर मही वन मंबई (हा) तिरुं दे वतम समानी वनहे ने हिरां हा प्रमाहिन वित्र क्या है। हिंग मेमर मडी हाले वरीहे ग्रा हा- केंद्र हे विकार कर महा-प्मत ने वेही भागरे हाड़ां डाही वसर रही वन मवरा डां भाग विषेष्ठि गत रे ने हेर्'- ममीड विमेमर भरी वसमा कुनिता पाला दि हैर :- पिले दे ममाई राल इंडी जैरी हाहे गए मच है। रमारी बीत बाबा रीय मिया डी ही मी पटने मारिक हिन्। एममार् अवासे है अवास प्रवास (है) इव डाही प्रमाणवार है (डा-न्यित

सकार हिंडीन हे लाक हिं। है हिंह रिक्ट काममार देने हैं पहुंच लाकमा वह है वाकांदिन भाषा विकास में हम अंसी हा मार हमेम तकते वेतां सावास बनते हाके ने जिम डांसी (भा) हिम्मे (व) ववडा ब्रामा (क्षे) ववत हाला मिहनी विविधित्रे वाल भागीत उत्र भाग भावाल मन्परी हममाई विवासे हिमारे (भारे) यस थमेमत डेवे उंछी तममवात उदेगहा। भत्ममां रीवितग्राहरा है एके। क्षेत्र हालेग हा कि क्षिप्त विश्व होता है जा काल में वर्ग हाला हिम्से की ए में वर्ग हाले फ़िल्की छे कां ही वजत हाले उंसी तममदाव गेहे। हा ख्रामं, हिम्सी मिड्नी है डिउपर पाकराली तत्र इस्ते ने। रामर मान्ये नुपां है विराद दे मठल नुपा हिर भागा रिकार हा। भारी हैवी डेवी डियमां ववहे एत डेरी मामवान रहे। हा मोत मादित राह्मता हा ही। हममड मारूपे मह हिये, एकमां ने वित्र मुक्त रेड्मां साहितं रिष्मां ही डेवे मरवम में निष्मा कि वेड त (पूर्म) वृज्ञां साहि हम ये वी भी विराह के कि हम हम रामता वहीं का जमारी वाह राज राज विराह कि वाह मारी में हैं विराह के वाह के विराह के वाह के विराह के वाह के विस्ताहा मान्य सही वेस प्री (हाता) हमें म ४ वर्ष वेन हिन्ते ग्रमं वेस मारियं 3. 9िड mm है प्रमायान नुई॥ प्रमाड मार्जन छे गड़े हिला हा, मन्त्रहिर (m) ।हिंदिनाइमगर जिंह मही दिलांड वरा हाइवस्य (छेल) चिंह प्रमा है दिनामा काल माना हा मन्त्र जी मार्ग मिन लेस युनायु, मार्ग मालेस बरवड वन देसे युना कालाहे मही भीषे ।।अत्र हिन्दिन हिम्मिन कार्य हा इसमार हु में क्षेत्र विश्व विश्व ही। हा मधे दे क्रेमां हैं विद्विती लगान कारों - मीवं हैं विद्व है मठम मीवं हिन भागा है हिला री। हा तान त्र मुन्य त श्वाहु मान्छि नउत महूच । हा २५ प्रिती भां हाली मस्स देव

हैठ डेश उड़ां हाली मुखम हेठ, जीहां ही महिहिला; डे हीम व ही माहिला वाउत है। ड़ मिस्रम-मबर मत्त्रम बेत वम बुत हू विहित्त । प्रमाह मामा हु प्रथित हुने बावित छेर्त मना मिरिशाहा मिस्टी भाषिमार्ड कित्र है हा भी हा रेस्ड कित्र, क्वित्रे, मारे, तांर् ने विन्दितम विन्द्रहाला हा, ख्रुतमारि मारे उत्रामाय हैं।। ॥ ६ काममार जिल्हा ही कही कहा है जा हिना है नमार्थित मार्थीमा - नम-नड रामारी भारत के विद्या है हो हो है समारे हैं हा नीम रामारें सारी महि रिमा वस देव दें विवर है हा- बीका हि वैवां दें विवर है का मांगिर दें दें दें वी प्रेवर र्थ माह है प्राह्म है हमती हिड्डी ह देश है से भार पह है कि समा हमार गह वावन गाम द्वीतमामी। इन नेवरां है (आ हमेम व्यव वर्ष हहामा न अव-पानी हा भीने प्रवर्त । तममंड अताने तामां डें विड रें (हा) मतव ताहां हिस आहि मा अधिमा है, हा, मात्र-विद्यामाने = वेवां हैं हाह वेवां है विद्यी । हा माही महाडी दिल्ला हिमावडी ग्रह मास्ति में पहे गहां है विह है।।

प्रत अया ने विवर्त मन तमि। हा तभी अत्रा ववप द समवाक देती मनमा है. मार्थित है। हा कार में प्र पड़िश्व पड़ हिंद हुए हिंदी है कि हिंदी है कि हिंदी है मार गरी है है। है एक हैं भार में भारत हो भारत है। महा है वितर है। है मारामी है। भारतीय मारामी मारामी है हिए परी है विच है है। भारतीय मिरामा है मारा भारतीय है किन्द्रे मान्य कार्यहिन । हा हारि वित्र यह उपन भागित वेंगां हें वित्र है। जामारे कि सिर्ण हरा हरेडी हिमा मारी है। मारी मारी मारी है हिमा है हरी मिता मा (15) प्रमुष इसीम ह हिस्सा हमार गह ने प्याप है हिंद हम है। मार्जि मा होम वर्त मानिमां है जिडर हाला है, हा, जीहां हैं जिड है। हा मन्हें भाषिमा है भिन्द्रस , कि , दि हैं । हैं । हैं है हि सार है सरह । हैं एक इस स्वी मा कि भार है किन्छ, हिन्छ, के हिन्दी है किन्छ निष्ठा है लिसर ॥हिन्दी है कि हिन्दि है मार् के किया मार्थित निवास के मार्थित है के मार्थ मार् मामा है हिंदी है दिए कि दिसमा हममार ॥ है मार्ची भा की मार्ची मार्ची हमा , दिसमा है कि मार्ग्डी (ह) मिमा जा शिक इति हैं हिंदि हैं है विकास मिन हैं में हिंदी में इस है विकास मिन हिंदी हि हरिव है दिवान हो कि कि कि मा हममत गार्डि रिक हे कि कि हि हि प्रमाण महिल्लिक एक रामालिया महारहित है विकास है। है एक है निर्मा है। है एक है निर्मा है। एक एक प्रमाण महारहित है। मा, हिन हा मार्ट मार्ट हिन है इस कारी है जाता है। इस हिन है कि है कि है कि अहमा हिस्सी में हैं हैं का हैरिकें गाय है है है में है दिस है दिस्सें के जा है में में कारी माना एडा देवेरह हैं वटह हैं वटह हैं कि मत्या, हा, बीमा वार्य मानव में मानव में मानव में मानव में हा है। ऐसे प्राव ईर्ड भारत कारी आहे। जममडे भागाने वाले, की प्रेश डे विकर्ण वाल

ब डेल बाबीव अवित (का) अवायाहि क्रि) आरमवा विता अयम मुद्र अवाय वह है है। विविद्धाः जैवतः है वर्षे हाता हा। भाग, भागाहि रा भागे, पेववेरी हा मामन िस्टी व हे उर्ह दे हैं भा हममत म ड्रांस्ट िए दे हैं है विन हों मिल हैं भादि हामारी है होन् है हमार ॥ है हिंदी मिल्डिंग्रेस् हमा (हा) है मार है है ही प्रवर्ध है कि है है जिस है जि चारे मेमट हा वंडे हा है। हिमेम वर्त मानिया है रहा ने हरा हा है। है। ने मनम हिन तमा आति । है पाने (पाने) पानु है हि। तमा हमेम देवदे (पाने) भाकता ववत झाष्ट्र माहिया बाहे माहिया है। ताबाहा है सिरिड ने। असमें में हुन में ने अपने महैं ने महैं ते भारत है ने महैं ते ने भारत में में स्ति हैम । भाग हिन अवाडी है इसि है । हैम है विकार भाग । मह है है विमरे महिल इ किने मना में किंडेक इस मी में महिल है कि मार मार्थ में में है किने हिल हैं मारेब मच्या हुत मार्थ किया है है है है है है से भी है है सी महें दिशी मां पडे हर हर हर हिन हिन कीन हुए है।। महिन हुए पित मारि व र तड पावरा ॥ • त्रममडे मार्डे हुउ, यहिंडी नाहि उउँ। है वात मर्डे विड र्ड (हा) मार्डेड, नमस्तर अ बुपा हा) हुने। मतम बुपां हिन गान है विहि, हा बुने। बुनपानी ने (बुने) की ह प्राह माबामां है विद्य हा रामा हम मार्थ मेर मादि है विद्या हिम्मा व्या मेर न्मा हु हिन है।।इन अपन के माहि की हिन मिल है। हि हिन है।।है हिन है।।है हिन है।।है वा है। यामड विवन मी वव दिसा अवस माडे हे विव है हो। दि। हमेम वर्ष मारे मीवाहिन थें (हा कामार्ग के किंग के किंग के किंग के किंग है। कामामादिवां मिहिरी हममर ॥ है विश्व होगा है मार ही मार होगा है हिटी हैं।

कुम्मादिकं वे विद्वेग तममडे दिने देमं वे विद्वेग हमां भावां भावि वां में भी विट के ॥ हा कि विकास के विकास के विद्या के विद्या के स्वाप के का मार्थ रिक्नेम नेमा ने विवर्त मारममन दिरामें समारितां ने विवर्त । दि विवर्ति । मामे। देवां दे १ रामचे दिवामे कामरां दे विदे हैं वा वामाहितं दें विदे हैं। हम वामे अडी विमें हे अवामें अवेरी ॥ अममें रियाने महे हैं विने हैं हा मारियाने विकास माम भिन्न वर्ष उद्योग मही का मान के हिसी माम के छेडिंग हममर गरिह के हिंसा किया है करी मार हामा डामा हिर्दित है एतम कड़ी मार हम ही ि माड़ अमा ने विते हा 30 हम विते हा विम द (कार) हा तुप मह है विदेश असमेड रिकेंड केंड्र मान वितारा है. विश्व द्वारा केंड्र में श्री है। विश्व है हा अभियाभार विदे हा तेते 'बेड के प्रे के प्रमान अमने किया कि आपति अभियान अभियाम उस ने बादस है विदेश है। अस ब्यां हिन आहि मा हिमा है। हा अमनत नु वे वे निव वे॥ प्रमाह मायू समावत्र बेत हा हिमी बेत हा - ख्यां वे विवे त्र वे के में में किया हैन आहिमा नेपानी महारह क्षेत्र ने वित्र में हमहत्र निर्म 3 हा कियत ने विशेष में प्रमाप केंगा में मार्थ ने भवा ने विशेष हा मेंबद ते विश्व क्षाम के प्रममवा मही हमार माई हिमार के प्रमास के प्रमास होते हैं। ० वित रे हिंगाति, हमेम ववर्व रेवां है उपे ह हार्वे ने ।। हा- कारवितामारी मां हे िराम है। होत र एहं विस्ति है हि माम होमा है माम होमा है मार हिन्दा कुरी। १ - शिवास्थी कुरवाय वस श्री बहुत है। अममह अमान माने माने अवह है. वितंत केर हा। विसे हा साधामा विकास प्रतीय तमपड़ि तमें दित रेडने बन्मां विका

मिहती हा, रेहरे भारुष रेंड भीतरे वत (हा-डितां हिन भाग की भात रेख हा के र्वास्त हिमार गरा हेल्या हमा में काइन हे हमा है नामिक हे कि हिना है ० कियी मां हे तमारी पार्री। हा उड्ड री हा किय, पराउसां रा पार्ड असागां कित्री। प्रमार अवार व विश्ववत्र विराद्धा नवारी अवा ने विराद हार मां हा दिनी भां मिनी भां दे घर गए मुनशी तम दे वह कार भा दे व में कार्य मां कार्य र ही यवित्रामा अंदा राममंड मामारे भाषार वकह डे विस्टा मारिमार्ने सारे में गिर्ट मिर्टी में महें महिन है कि हमार गरि प्रकेश हैं। देश हैं माउर हाले। हा काजभी अभभी मांडि हिंता के वा देखेंदां च भाग दें। हा हिस्रे ताव इतां हार्के प्रामा काव मागा हारे मिहती पीत भीगं हारे है भारत हिंदि हिंदी हिंगाम हिंमार पार दे हिंद है हिंदी है सि है विकार सि हिंदी है विकाश में के में के महिं परिता कि का मान के मान के कार्य है। यह होते में वर्वे मन्त्रहिन वेता ह हाले (हा) चैत्रां हा वेता पाह हाले। भागी में वेता वेत के कि हमान् है है हमान का कि एक एक एक एक मानी कमी वर्ष है कि हमहाका कि ना कि हम हममत कि हैं कि में मि कि पान में मि कि में मि हम कि है । इन म हिन को वेहे हा- मेंग हिन मने पेहे हा- जेंग ही भीपी व्याहा असी प्वा महे विशेष मारांवा हैवा , वर्ष हाव हाव हाव हाव हात मिन की वा , मिन की वा हा अर श्हार है होत है मार है जिस हमार है हिंह करी। मारी o उना है हैना वंकि है करते जी कर कि हैना हैना है हिन है की है कि है करा है हैना है निवर्ते

० प्रममु मारेषु हिला था दे. पिन्ने हिला समारे हैं है। प्रमान है है पर में है है पर में मिलकिक हमाम दे के प्रमाद समार अपने में है हमा में है हमा है दिहा भा सबता। माय कु सुवलत काहिमंग्या में है। समयवव यममं वान गुड़ी। अममतमा मंद्र माम ने माम हे प्रमाम है प्रमाम है प्रमाम है माम है म येतां उड़ां हा भामता बुध वी। इन्त्रक येमीभां हे भामता व्या तममडे दिग्में भा भवे विच है। हिं। शिव-हमें म व व वे सक्य है। आगम्य एवं में । रामारे आगारे वे मार्गित मार्गिमा ना ना है है मार्गित है मह है लाई राहि त है का में हिए हिए स वैधी भाका ब्रासी ने हा भी भा मिता का तानी भागमा माही भन्न महमां डें किन्त है। हा हिन्दिमा है विदिन, मन पनामं न मार्थ है। तमम इमर मार्थ है ममन कर के हिन्द्रमार हिन्द्रमार हिन्द्रमा हिन्द्रमा हिन्द्रमा हिन्द्रमार हिन्द्रमार हिन्द्रमा हिन्द्रमा है हमारे जिल्ला हैनाइ हिल्ला किंद्र काम हमिन किंगा हमिन हैनाइ (आर्म केमान् है. विद्या प्रमाय मात्रम वृत्ता है. विद्या प्रमाय विद्या है। या विद्या प्रमाय विद्या विद्या विद्या पाने हें जी के के के किया है किया है के मारिया है के किया है के किया है किया है मारिया विकाम मिला है नकां ने विवर वहां में हुन कि विवर में कि मानी मिला है मही मानी वे विद्यास त्राम व विद्यास व व मार्गेड किस हे कामा है हिस हिस हिस्ती मार्मिस हम। एक कार्य है हम द

ववतहाले । तमे मरम वर्ग : मरम मारा वित रे हा मारे व्यां हारे गा। प ते राम मदान है। है। है मक्स है कि है मत्र में है। है। पह महार है। न्तर हाले।। रमें मन्न भागे ने गानम रे जयात हाले। हा - म , मानाम री रिगमां-की भाग तां भाग व्यवें। तमें मठस मार्थ वे मठस है सामत हाले हा, हिमाबि-अ वह र हाले ।। हा भेरा वह हे पा कि हा वह के पा मार्थ के हिंदी हैं के हिंदी हैं कि हैं त सवस हे वार विकास का मिल्य में में मान्य के में महा है परिपाला विकास है। प्रभार्मा रहे मवस रे रहे, अवम् मुन हा मवस् रेसार रेह हाके महा बुनतीव थ बामं बिता बिं बेत भूते मन बिरायमाणा प्रमान मार्गे न ने दत्र विश्व । हा ने दे 0 वितरहा चान उसे वेही वेर मही भा मत्रा हा - वेवेहिंस वेसी वेर मही। किरामित, मित्रम हिडी मार्क, समा हिडी मारह है मित्रम हिमार ममत, डमार इकांरि में प्रकार व्यर्ग हा चत- मीवां भारि में भारि किहार हारे हे जिस नार हिमा मिला में महा करा के हिन पार मार प्यात मारे वह ने । हा निमान बाना हिन हम न्यावे निमा वर्ग हा हा है अरा मिता मिता मिता है है है है कि एक का मित्र है । मार्थ में महि । भा मित्र । मही मान हिन गहर वन हहाले हा- मनम है मेरे जैन है हा हैन मन महिन है समी है, हा- मगहिन है मन्द्र है। यम मन्द्र करें मनम ले वह है मिसाराव मिंड अहिसार क्रिक्र हम एक प्रथम मथ मार किरहासार किरहासार एक हार्क्ट

मनम हैंग हा मन्त्र हैं कि महिलाह हिंहा हा मड़ हैं के हिला मन महिलाह है कि हिला विश्व है में विश्व है सम्बर्ध में प्रमान के वास हो के लिए हैं कि सिर् र हरम हे लाम हमरमप्र गहें काड़ रिक्र क्राफ्र कार हें वार है इिलाम वत्र हाके नामपुर, तमन, तमन्त्र, भमड, है। तमन नायते म उमर इंडी मारि वा र वे विवर्व हा- ताव बत दी वे वह हा की पामरि भागती न भीड़ है विहरहा-मा, हमेम बावे निकारी मानत हामाहा मानी भागत ○ विवर्त होते है जेवा वित्ता मंत्र हे छैड़े है। अममूड अवार्ड हो है है विविधाहबरेगे हैं विवर्धाहा कि में महावेदा माम है है अव जैवास है में है क्षेत्र का कि सम्बंध के वर्ष कर कर कर कि विवर्ध के कि सम्बंध के वर्ष कर कर कि साम हिंदी है अव जैवास है कि सम्बंध के वर्ष कर कर कि साम हिंदी है अव जैवास है कि सम्बंध के वर्ष कर कर कि साम हिंदी है अव जैवास है कि सम्बंध के वर्ष कर कर कि सम्बंध के कि समाम कि सम्बंध के कि समाम कि सम्बंध के कि सम्बंध के कि सम्बंध के कि समाम कि स या किंग आधा प्रमात कि या है कि भार ते. अवृत्दा सीता तृ कि। भा भाग विम ने (भारत, वाह विराधी। हा-भीड़न सेवल हिड हुता युव वी हिर्द्वित ।। हा विरामित rm भीगा हुने भागी है हक में फि हकम मेर । हि काड रहि मार है कि हि डि मिन्क स्टाइ है विन है कि है कि है मारे मारे प्रमान के प्रमान के मारे विन के विन के विन के विन के विन के विन के महम हम हे - 19 11 है समा , हार्मार है अनम रही है । ता है है महम हम्मर माद्रीमाएं मानी काम है। है एसम है क रक्ष मह , सर, हिन है रह एक ने मिन होता है ही का मान है वा होते हैं मानी हिला है जिन माना मानी है कि है वित हे जिसे में वर्ग में में माडा जिसा है। जममें विवादे त्यावे, चैव हैं। इर है विव डा- सार्था वृश्वर हा-दुर मही वृश्वर वृत्त वृत्त होम वयते मुच्य मव्या भारत O सक्परेग तममरे किमी रे किमिस्ल हाले भाग्य उन्हीं गहा भाविर यह। मैथालहा हिमा हममार्थ हा का मिल्ल महार मिरिक हमारा । उसी महा हर हर हर हर

हैं है हिम हिमार ।। हरीर है हीम जिग्र है हो है नहीं है। है। है। है। है। है है मार्च है है है। युजितीत हा-भीनिषमानी गारि उड़ां डें विडा तममसम् वारो के सवस्रित भूम विवार हरिया है कि हम हमार निर्मा के हैं है। कि है मान निर्मा के कि है महिम ंडा मित्र साम है। उन्हास मार है हाइमार विराहणा एक हिए एक सिना नि रे भिय ह डाले डा पिनत हाले हा मुत्र रीति आही।हा मुसरे इ इंग्ले। हारेमां है मवेश हाले। हमें मठम पेर्न मठम रेडांसी अंकत हा-युवजी कवत मिकांडामा किमा नक है ववर हाले हा भवते मक्य भागाउंछी। इ। ब्रामा केम वृष्ट्र भिमा है। ववना है।। यम मवस अवन वे मनस है मम वका हाले (हा- ने मक्स है जने वने नका हासे ।।हा मिहती व्य नेने से वन हा नै हा कुछमा मिहनी है ही से वहतहार ने पान है एता है उनसे ह हारेग तम केन क्रम हे कि कि महा है है है है है है है निस्त है है कि वेकां है विवार हाले (हा-वेकां रां वेका पैरे हाले, भी पष्टिरे पहाले। हा वेकां रेवेबार हाले मीहारे वेवा पे एहाले ।। हार वाका वप वेवे मन वेवा है वेवार हाल है। हा में विसी भीभी वाहता ताल वेल सहाहे पैते उता दां वेता है से हाते है। हमार हाम प्रकार में में यह सह तमा जीन है के हम रे हिला ने प्रमान री पालतां वनतहाले ॥ हीर छड्ड चार्चन है, यहि बन्डा रेहा में हहा कार हाता दिन्त E manufacture of the state of the state of the B मिन हिंप किए हेर्ची त्यात इस विस्तृत है जात है जिसे के कि मिन हिंच में हिरहर रेर प्रवात हारी दिवल के इवका काही जिसक मिया में कि विभान रेस

विकली हा उखहात हा ठेकी ही खेल ही किलाही डेकल हैर ही गाल में भागता में मारमहे मत्मस है हे मार्ग हे मह्य दा वसत है। हा कुर्ण माहियां है विदेश है हा- में के के प्राप्त के मारिया है सामिया है कि मार्च के उ रेगमा रे करा माहिसं हे तमारे विवर्श हा- वर्षे विवर रेग मार् व-शिवानी मारि उनं रे वाननां ने वितर है। हा मामकतन वंप रे वें वितरी। मानिया है मानिहास्ताम नड़ा हिड्डिं है किल है मिल्ना मंहि ह मामनिहीं है हम विष्णा ने माड़ विश्व । भागा ने अमा ने अपिर ने एडा-अम मवाव ने ह्या ने गांड़ वि किन है। हा माना पड हिमा महिर्घा माने माने नामित नामित है। है हिन्द हा मामाना विमाप में विद्वार ने निय में किया मामने ने किया मामने मामने मा 408 FEBER NFELLE & VERJ. F ELEN NF ELJO E & LES P. 12 ' P. S. DO. E 2 & डें किन्द्रे मिन्तार में दिने हे हुने क्रामं विम्त्र मिहती एहा हे हुने हैंन भारा हिंगारिकसरिधीन, एडिडीराम हिम्मा हड़ींकिए ग्रिडी-नडारेट हेरीम र्वेह भग मानवडी माहिडीमहा जामी मार्टी मंदिन के माम मित्र के का कि तां हेवां पार का भाग भीव है। तिया ते उठत का है। विकत है। वि दिवार केंग श्राह्म हिंग देवां रे वावर हाका है। मामवना है कि मान है विदे है। सामा मह क्या है। मार्ग में कि ही हुन है। हुन भाग है। मार्ग है।

, प्ला हिने हमा गहिंभर हमा । डिउरीठ है वह ही हि हमा हिर ही है है आम अग्रमां माहिवां हा दी साहि गृह व्य में भित्रां हा विवडा में, हा सम्मेन्यी। अस्त्र हैं अप्रमाड़ शिक्षा अस्त्र में स्वाम ह हैं ने अपहल स्वाप कर कर है विश्वा तुवानुरेवस ४ ते. विश्व न ॥ मनित ते. त्यां न्यां न्या भी ते. विश्व मानव ४ ने निसमें ब्रिंग ने हिंदिया निवास भड़िस मुद्राहिश किया मिल्या हिस महामा मिल्या हिस इस प्रके हैं किया। हा स्वीति पर सिमं १३ हु हु हु है है हिस हो मिन है ए हैं है ने कि हा भी मा माहि है कि है जावन हिन इस मांहे पत हा इजाई ने जीन है। उड़ mमीत में ड्रेका में हारिनिष्टियों हा भिषितां में मिनी माहा पडाका है। उहीव ने पिमाना रोमड ने मनसरा हैना मासी ने एवं मंग्यं व ने तहाका है।। िए संग्रहाई हिनंदिक अब हम मारीम त्यी हैंह रिव कि हे स्वर्धमा महासार हाएक हे महार हे कर में महार महिला है कि महार में प्रमा महिला है कि महार में प्रिंड ने बेंडर ने बवित ने हा मंत्रीर पारी हेंडा ने मामेंड ने महिमार ने वित्र ने हा मुद्रुत विक्रामवं ने माना है वाल है विक ने माना है विक है। माना ाहिनी ह कार है मास वहीं हिन है उसक ने मानिहानिहा है कार है जा के कि माया ने मिन मर्वेत ने " अमे पड़े निवा है। माया ने विन्याप्र डें विडिश हा जवां डें विडिशाहि हिमार है। महिड हैं। महिड हैं। ववग्रहाका मुट्स विभार वेतिमा मारेर में लहिर तवस्त्र हा तेम थाप द्वामा व थें सीव, वर्षवां हैं विद्य है एहा - भा- हमें वर्त महा की पहित्र है। हा भारती

विमान है। हीव-हिन्दिन विस्ती विस्ति मीवे हैं निवर है हम हीनमा की उत्ती हा डेवे अवासन विस्तित्री वी रिक्र में हिंद मामने। हा गुकां वितां स्व हे वे विव मिं हिनिह है ममस्य में हिन्दी हैं हिल्लाम नहीं है प्रमा है हिमा पर हामिहरी डें विवर्त में विशामां आसी में में ही कारत हैं विवर्त । मिहरी ह अही ने किंद्र है ने के वित्र है में के हैं ने किंद्र में के हैं कि है ने किंद्र में किंद माजा मेरिका है हा- अमर वह देत है। अमेर है विक हमा नह है जा है विक हमा िर शिर हामवह मिरा माह हिन हैं कि मिरा है मिरा है मार है हिन हैं मारीड है किर है विकार किराया मिरही मार्च है किराया है किराया है किराया के किराया के किराया के किराया के किराया माना में के विश्व हैं। हैं कि हैं कि माना है मान हैं जिस्से कि हैं। हैं कि हैं कि हैं कि हैं कि हैं कि हैं। कि ववर में विदर्श । भावात में हुआ में (कार) पविभाग रही संस्थाहा सवा में विदर विमानित के माम है हिला त्या है हिला मान है हिलामा है हिलामा महिलामा है त ने मन्य रियोगमं या यजातां ने मार्गत ने मारेतां न्यां हिस्से हा मारेतां मन्परी। दिन हेनरी पन दिन निष्टि हुए री भन्या र निहें के इसां आक्रियां दा मर्वा व वर्ते मारेवां व्यारीने विश्व में, हमें प्यान भारेतां हेगं हिनियामणान ने की अभीवा दा अभीवारी॥(के भीवा र्री भी दे हैं है है ने हे मंग ही(बेकार) ाया कर्ल हे कार हे कार हे कार हमा है मारा ताम है है है है जा हमा के कार भार मत्व ही भाग देव हाले । हा बालहा ही वाल हुय वनते। वनम हारी वन महल राउ। वन

लिए एडिसा एम है मार्चिता है विस्त है है मार्च मार्च महं महिन्म भित्र भाग्य मह भाग्य मारि ।। सममही हिता हे मन्त्र हिरियी ब्यरी, अकारांचे, हा, मवहिंच चंत ब्राची। तमें देह देहें देहिमां दे वी देह, वाम ब्राची, हा मा विभाग हेह, प्वाम हाका विर हेहे, य्वामणता भागरा री रें, हा रेहिंगा है मी विज्ञी देह हाके वैशा एक तीव मंदे पुनतीव विश्वाम के के विश्व विश्व के विश डेवेरां डे विडरी, हा भाजा दें जारी केलं हिन्डे वेरां दें विडरी हा डेशं विवर्ध मि विसरा मित्र कार्या वाले मा वाल सा वाल व्याचे हा बुउ बहिसर ही वाल वन महा केंचे हा परामवाजा में मंबरा वास वर्ग है हिम से ही भाग वास वर्ग वर्ग हैं। हैशा प्रथम मुथा है एवं है कि है है। में है एवं है हम हिंद है पा में में में प्रथम मुख मस्य दिन गहर वर र हा ले हिन मन है अहरे में वा है हा मन है है गमा मस्त्रे हैं। एम मठा विष्टे मवस हे आव विष वे विव हिंग मठा है विष्ट हिंगों। पिठ हा पड़ कि वा हिन दिनत हा के विश्व पान ने पाम मियमरात मन्य विश्व कि का विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व में स्व मंबत हाम ने में हा आवार हैं विते हैं ॥ वेग में व वित मा मा वे । भाग्य है हिरु म हिल गड़ ॥ है कार्य में इहत मार्थ है हिरु हताम छित हो भाग हा वेसी मामारी मापीय र ने वव मव सा पित्रमेशी प्रवाह मासीमां की हो है। हा मेंग रम ने निवड़ी प्रमाने प-पावें हैं। मा, भाषिभार थे, ने । हा नह मेंग्ववरें। मामें भाक के हा ले हैं भाकि मा है मारिक है कि है कि है कि में है मारिक हैं कि मारिक में हैं मारिक मारि वरी। हा बार, मुक्त माहितां है की (बारे-बेरहहारे ने हा बैरहहािमां की की के प्रकार में का कर है कि कि का कार में का कार मार भी कि

हाकियां हिने भेराष्ट्र जीता इती है, हा भारतियां हिन भारतीय है हा प्रवस रे भारां रे भार कुप नाम मारी विश्व में है है है मां नाहितां रे ही, करें, प्रव मंत ने, हा कि हो कि वी कि वा है। हि गता वा कि के मां है प्रताम हों वि॥ तमे कुरत वारे कारे, तम त तव तहाधिमां हिन , वस त व्यानी, हा मठम हिन्युनी च्य है। अमे बीड बीडे कीडां हिन (बीडे) बाई इच्यामाय है, हा कीडां है चन्त्रां हिन नाहिमा निमा है, माप उद्योग हा के हा हिमा हिन अभय निमार व्या है। हा जमहाराहिन माम रीजन हालेंगा हिनाड महार मान हिंडी का हम है। स्ति है अपने हामे नाहा मान हो भारित है नाम है नाम है ना है है। वाठी वह महाक्षामां हिंडे फिरवारी मुपरे हा फिर मं वरम हा कामां हिं क्षेत्र हाला प्रिम् हुन हो भारति है कि एक प्रिम् हिन् हुन मा दिन हिन इत्रा भारान्याने मंत्रमा हिन मेंबन बेत्यान, बेटम मायानी आही यामवान विहासा मधर काल वकतां वीडी वै विहास मध्या है वे वहार ने मानारी मन्य, हे परेम के हिन भाग है परेम रेष बाले हैं। तमें भात पाते ने थाड़ हिन पाही व्या, हा- उमाहिन वस विभाग वितात हाले, हा पात, भी प्रिडिटन भी प्रिड्वमा। प्रमुवान बाहे में वर्षह मह मह वर्ष ह के पह वर्ष है में हा वर्ष है में वर्ष है में वर्ष है में वर्ष है में वर्ष पत इमिमां हिन इम्या नुपा ला है में मनुप हाला है, हा भी गांडे वित है। है, पड़े की प्राप्त हमें में बित वे मल देह हाले है, हा वरह है हु जर् है कि हम है

रे का साहिमा हे यहे है। समसरी विद्ये मक हिन हिन् समाता हुए भाग जी है, िह किमा देश हमाक्री में भाषी में हा हा हिए मार हिंद काम है मार है 50 विद्वा गा विकेव विकार में विकेवी मच्ये विकेव हैं विद्वा किव विकेवी मच्य है, मार्थ है हि हि प्रवेश में है एए हैं एक है एक एक है । है कि है पर ह हिम एक प्रकार है के में हा बहुव प्र भी है। एक प्रकार है है र मार्गिया । इ व्यरी हा, यवा हरू मव्यरी। हा स्ता हिम्री भारित ने सीमत व्यर्थ। हा सीमत है हुआ अतम मिंते : अमिय भम्ब युव है, हा। मियां हिनमिय बुध है हा मिय मवर वृप री।हार्वहरू मुवनी रे के ह राजी मा ता ने मुने का ने मुने का निर्मा के ही वारी वृद्धि ही बाओ बेतवाहिं वेंडाई वेंडाई वेंडी आहें डामें तवामेंव वा है। 52 दिनां वामां हिन हुने ਹै। हा, हिमां ने ही हुने हैं, मरात हुने हैं, एक ममन्पाह उसां हिन ममनां है जी पवन हा हा छा। हम भामन भारत भामन ह नके, जीव, मेरूव जी भीमां श्रहीमां माहिव श्रिव्ये वर्षे इवते मानि हेमरा ताम माम् वी, हेतं असरी प्रांत होते हें मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ है वह हिस भागीर चर जिस्से मिलिए हिसे मान्य करा प्रति हिसे हिसे हिसे मान्य है है अवस्त में है है अवस्त में हैं अवस्त में हैं अवस्त में मानस मी, पठ रा क्या मंदी ॥ रामे परमाविष्णाउ : हुई। विष्णाउ पुरु री, मन ही मात्रह लाका ने ।। हा परम विमान मं स्थार में अवसान केंद्रां सामान क्या की भाग है हा अव हरें भवाम महत्रहे, मा, माहिमार रा लाउन, मारे वठ प्रहामा है। माहिस हरें या भिर्माण हिंग ने अपानी में जिला हिंग विस्तान हैं। जा जिल्हा के लिल

हर ववहे वर, बर स्वमर ए हर र वे वेड्रा दे वे मां डे विका है ते डें माम ममन पान प्रहे केमां है निहित्त । भिक्त भी भूतावरे । वेर क्रम ववडड क्रम पुर भीता ने दिल्ला है वेस है वेस है विश्व में में के साम है विश्व में में के से के विश्व में में में में में में में में भावनी, के वा वे, वित्र वे हा कुन ती हुन भिन्न वान कि म महास्थितम व कि परी मिहे महारी है विच भारतामा वैवासी वैशा भारता वेता कार्य अगरे जिसे मिह मिष्ट्र किर्मार में हे हतुन है उस होगार एक हाड़ महिए हैं कि है मार्च हिन्दी त्रिम में अने सुन हरा रेमा हा दिसंहै मिटरी हा मिट्टि हा मार्गहित हा स्थापित हिमह माराष्ट्री। मार् कर हरें। वे हडारी। मार के जिल्ला मेर हमें किंड प्रावाधि वृत व तमे । किर मा - य ने ने प्राप्ति हिम डांसी, हा जिमहिन र, रही है। मा विस्मा वृती, वाहिन , वाडी सक्ति है। या है है। कार्य प्रमाद हैन में म वहार होता है। का मार है। का मार है। कार्य के मार है। कार है। कार्य के मार है। कार है। कार्य के मार है। कार है। कार है। कार्य के मार है। कार रा, ही मानिभां पुनमां है, भाषिष्ट, विने हुम भावां हिन कि हाम वेवरा है, ॥ वे वन्भे, के कहा है मार्ट के का है का के का का का का का का है वह है हाक्षेत्र भिट्टे जन्मामा में मानिमा। प्रमाल पणन नेवरा है प्रश्नांडम है मानिह हाले वीडा जमारे हेर्ने व हारी भी मही ही जाल से सिडा है ने कर हाते ।। जाने भेड भिक्रम बैंडे हिर्क्टीक्रिमाई है हि स्वड प्रामा हि हड़ी समित है हिरास है हड़ी समित है हिन्दे की हैहे, प्रमाप वता हारे हैं, हा हे हिमां हिन हिन क्या की नामप ने, हा म्या वाराम हे प्रवाम ववग हाने हा हिन्दे हे महा हमती। हा हेरे 11 में

53 रहिमां हिन ही पुरुष गठा विमारिव ने वेवा उवतहाले, उरिमें राहिमारि पिउ ड्राव मारिकः मधिषप मारि वामिट्न भाग प्रविशा । क्रमे वाग्वाको। ा हि एमा हि एक दिस्व ही हि एमा एक मिंच हुने गरि का कार है। मिर्मा हिला हें हें में हिला है है वा के हैं में महिला है में महिला है महिल गिट्ट कि तामार निवं मंगाने प्रश्निम इस ति हा कि ते में हा मारे प्रमान मुख हम हीए हैत काड़ है काड़ एंडे उत्तर है जिस हिए मा हिए एक हैं। नह मंडाह एवं महाक हर्डी समझार कि एक प्रति हमार हिर दान हमा दारी हमार हि जिला है जनगृहा देव हाले हा वाकिता। है वाले में है हाले के वित्र होते हैं। हे रात रेड हाकियां हिन रात्र रेड कुम भाग है, हा रात्री भाग है रात्र रेड हाले रें हा हार है राज हिम मारे हिस हारे कि हा मारी मारी मारी मारी हा हा है है हाले वे पाछवला चेउन वला स्वामितामान हारान रे इहाले वे वि हाती भगं राम के हम मह कराम के एड डिस के हो भारती के हर के ए हमर तार मेर । हिराड रेश्हाले जै। हामा हे मित इसेन जै। यह श्रमाहां हिने। श्रमा है प्रमात है श्रमां रे वे, गारमार प्रमार, मझरथमार, भागमापरी थ्राष्ट्र, भागर व्यापार कार्य प्रमान होते होती हिं ईकंद्रीमा कि कि कि एर्पर गरि काड़ हाम हिंड हिंडी माफीन्ड प्याप, रिमिस् हें भारती है सिक्ट गहें एवं कि कि कि कि कि कि है कि उन्हें ती प्रमार एक कि ਵੀਆਂ ਨੂੰ ਰਿਹਾ ਰਹੇ ਕੋਰ ਵਾਲੇ ਉਸ ਨਾਲ ਵਿਸ ਨਾਲੇ ਕਰ ਵਿਸਨਾਨ ਜਿਸਰ ਪ੍ਰਹ-माना हाडे प्रहिमया वर्ग हाडा हाडा हाडा हाडा हाड प्राप्त की प्रमाना माना है।। १-मीवविषमतात, य मध्वेमी ॥ इ- मध्वयद्भी ॥ ४ " भाष्य भाग भीग मण्याभा

मुदी वर हिमारा र अस इन्द्र हि हाहि युदी राहिमा। । प मिन्न गाउनी वा मिल्मार एड्स हाम माने हिए एम अमरते हिंस महि हार माने अस रायमंत्र रिप्ता हि ति रतमात्रीरिष्ट हेर्डी सारित्रमंत्री हम गर्छ। हि ति रतमात्रीरिष्ट हेर्डी सारित्रमंत्री हम कि एता हुने हिस किए कि कि कि कि कार मेरी हम देन हैं है कि हैं। हिमार विवाह के हैं। हा में महिंदें हैंग का मेंग महिंग है पाई महिं भीका हिन भीकु व्या भागा में, हा माला वावां हिन, भीकी माला वाव भागा में। टामिन हैं हिंच मिम हैं हिंच का एंड कि का एंड हिंप में हिंडी हिंभ क रहा मह क्षिम मार्ले हिला वा वरे करें ।। है ले मार में विमान विमान है है एलाम मड़ी है कि मा करा उसकी ही है जिसे लिड़ामा हिड़ीम है। इसक है हि है पर मि हि मि हा इस मानिक रठक पर कि विहास में है कि इंड मेर्ने वावार देकिसवे देहिरे कर मेर्ने हिन्दा में में महिन मेर्ने हुए आप की री, हा मिद्रां हिंचे भाग का भेद्र ने मेद्रां हिंचे भाग का मेद्र भेद्र हरा है। हा चेडठ मडा इंग वाने हालेंडी कमें किस्टे किसेट विमानिमां हिने विमाने का विमेटां इन किया साम नाहा के विभामना ने मुण हैं मेडव मेडव अप में पेंड हैं अप के अपने वरा वकर, डेडां हिंडें डेड्रे म्ब्रा हा डेड्रे। मामड़ां हिंड मामड़ां हुंग भाग जै॥ मिन्यी भा दिन मिन्नि कुष हु दे । हा उड़ दे मियांड हा किमां है है मियांड हे पहा

मड्य री मार्रेश मड्या री नेडर मनुपरी। जहां हिन मड मनुपरी जी गमां हिन नेत मन्यरी उउ है जिला हिन मार्ट मन्यरी मानश्री प्रामी यहिसेम बन्दे मन्त्रां ही ताम वन एकामा मानियी वनमां में प्राप्त काला है। मार्ग है मामं नियं ने भावाम मन है है हम बहारी हाउन कार है कि कार के मान कि है है है है है हम मानभा है इस राष्ट्री है। अबुरे कुपर केस र वैश विद्या मामजूक रिकामी मान मध्य जितिक भागितिहाम विवस्ते । हा मनुष्ठि विद्याम रेह हा क्षेत्र प्रिमर मिय हा मरा मि मा विष्णाह नेव हाकी। हा महार विव द कारी मियो भारे हेम्सवही भा विभाग हे महासा ने समझ विष्णा तरेह हासे हैं।।हा मामहिशामा की न पी रेष्ट्राकारी विषय वर्ता अभी राह्मण वर्ताहमारी, हा माहिमां री विष महमवा ववरहाछा है, हाविकाम मिकी मा हा विपडा ववरहा है भी हा वत्या के प्रिमारी हा। भार्य के वय भावती, भार्य, प्रवाल के व किया, भावता किया मामाधी हुने हम तमार के मार महिला हिला महिला हिला महिला हिला हिला है कि हम है में भी भारत साम में है काम के अपन के मार है कि मार के मार के मार है है भीका है में भी कि वह कि मार्थ के कि है वह की है कि है के कि है की मार्थ है है कि है हमाछि द्वी मार्थ हिंदू हो तह भी भी है, है रहें हैं भार बैह रहें मार है है रहें हैं भार बैह रहें मार है है रहें गरेम, मर्वेडी हिम्हु मिह भी मुर्जन भी मंडे हहारी मासिमा मात्र प्रेचे । सिमंडे ही इस न प्रवाह सवते १ ह। इवाह न विवय अवने बेत्र न इस विवय अवने न सि स्मित्र हुंग हुं इस के समाति हैं है। हुं हु। मूंह ताल कार हुं तालहा यवर हाका शायाम विर्वापंड विष्ठ विद्या। मरा मवसरामा विमा मिमामां दिन

भिष प्राटहा थापउ व्य है। साडा दिलाही साडा हे दे ह हाका दिलाहु है। हामड मिमां हिन राउंदि रारी विगीमां मिजीमां रीमां हे दिलाकुम व्य वी इन्डिमंबाका हिन विच् हाला वै मियी देव हाला मान्डी देव हाला हा है जिस है के मान कार वहिला अरो अंग्रा मार्ने के प्रति के विश्व है हा के हैं। राही राक इस गरी भी हा केर रीडी है हिंड है। अस मान राम वित मंत्र किरा हिंत िड भाग राम प्रेडिंड विडा भावामें तामक विडिंगा प्रमाड पवाडी मावि ामं उन्ह हिउपीत बवत हाका है। माम उम्ड पार्म मावितामं राज्य के प्राणामं अ मिल है ही इसाम की है। है। इस माइरी हडीहम म्हा में PE: LE LOW MERH DE RESERVE TO THE BEST LESSEN भिग्ठिताक समन्यत ने वा बस की यागन ने हत के हैं। हा जेंग, मेरे अधि 62 मी नेवरी, हा महावा ही, हा देवानिव रिही ने में में जल महमरी, दे नरा मिर्ट हे भा माना क्या मारि । ही एसमा एक किसामा ।इ कारीमा व्य जल हाले अरहिज्यां दे विविद्यामं दिन है भी म व्यापेने हम रा है, जालां हिन ही मुखा कुप रोवे हमरा है। सहीमान वालां न भगम नामियाती मां हिन ही है में बाम का ही उसरे उन हेती पापडी ही बतनां मार्थरे उन हुउन सीमां वाभागं भुवत ववरे वे नामिमरात मुख्य वे हा सुर धम्वी व्यवी नाम्यरे, वे सिमाना केर ही आप है। अने इंड हैंड किया है। आप हि एक में निकार है हैं किया। 63 व्यम व्या में हिल्ला हिल ही में माने में विका है। कि विका के माने में विका के कि कि के कि के कि कि कि कि कि वस्त्र है। हिए हैं पान है कि मान है कि मान है कि मान है कि मान है। प्रविधा है कि मान है कि मान है कि मान है कि

किसंद क्रमा क्य स्टाप है। अस है सका है हा कुर है हा गर है विकि है। हा कि असाति । है। अरेप दें न्या भारत मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ आहेत है। विक में भेगांडे विद्याहा मामवाव में हा हम वाल हमड् पहेर विद्या देम वनने विकित माना हो अभी इसाउ ही भाग में के के का भाग मानहा नेमाहिन वेह्छ के जी वाल विक्रित माजिन भेगिति तहां महा महा म राजाना हमडु-किसा है। सम्बारी । हा देसां दिवहासा हिन आहिसा दिहा है है होति है निहें है भी हिन्दी (संसे) हिमा हे निहें है मार्ट होता है कि है मार्ट क्षा मारी है । हि हिने हे मार्ट है मारिक मीन हाइडी डिमार टीम डेक ए विश्व में कि हिन्दे अमारियान के स्थाप है स्थित के स्थाप है स्थित है स्थाप है स्थित है स्थाप है स्थाप है स्थाप है स्थाप है ११ भागान अग्र वर्ग है, श्रीय मुडा है भा श्रीशिव मा माराष्ट्रा है। सामा कामारी प्रश्नित है। हम अप मार्ड हम अप है किया है किया है भीउ भी क्षा हिंद हैं विद्यु हा ववडा बेवाडा हे बेचा हैं कि है। प्रमा अरी मर्पे की हैं। के किए महा हिंदी किए किए किए किए मही की किए मही किए मही की किए मही किए मही की किए मही की किए मही की किए मही किए मही किए मही की किए मही की किए मही किए कि हरम रहित रिमारिम हो मार हीए उसे राह्ट हिरास में उसे मंडी मार्म है भाग हमतां जाम। हिमे प्रेर थाएँ। ही बेर उवारी िमहिर मारा मिमार पे वरेरे उस न किया उडा इसरा मुबरा ने जुता जेहा भीव भागहित्रव जेरा। किरा- अभवर री चाला निवास हिन्द्रेस निविद्यां दिल उपहार बेळाता - विवे विद्यां य रह मार्ड मार्च का के हमारे के हमारे के कि हमारे वर हमारे वर िकिक के अप में हैं में में इसे मिर्म हैं में में हैं कि हिन्दिन मिर्म हैं जिल इसे मिर्म हैं

हिष्का निकारी हिन्दी हिला एक का मिन्दी हिन्दी है। अर्थ ने मत्र की किन्नमीरही व रहार कि किन्द्रही हिन्द्र किन किन किन मिंह होते ही मिवह गी हक्त भाग क पाए वित्र हित्वम है। हम वित्रे मही मज्यारे महहारा हम हिर्पेट लहे। हिरेरे में मजा रहि में विशेष हिम हिमाम ॥ ए एहिंडिए हे हिम्हिल हे हे हाम है हम निराप प्रकार मित्र हिमा मार 65- मठम कुपरी। रियारे कडि हा आजाता कुपरी। रेम मेरे केरेडांसी अप्राया न में किए प्रमार्न है हारी दिम हुन हिन अवंतु गिर्म है, हमेंम वर्ग मठन क्रमान है हा भाग्या देश राव रात है। हार प्रमान ने मार्थ न हिमेम वर्ग मण्ड हाकी ने भारिमा ने पर्व ने ।। रामम् मार्थ ने वरह ने हा विरह्म वर्ग माईममार्थित एवा ने हे छ न्या है मार्थित है मार्थित है मार्थित है प्राप्त है मार्थित है है - वाले बाक डे किडहा दलपहां विडिहा भाषिता ही बाक से विडिशामा दें मारा के के निर्मातिक हैं। मानी के साहित है से साहित के से हा है से हैं। कि एक कि कि मानी के कि कि मानी के कि साहित है। कि साहित कि मानी के साहित के साह देश में इं लेकामंथा द नियमंथ कुरा है अपह हा । प्रमु मायमानु मठम (माय) लियां है जिस है हिमा है कि कि इसम है कि इसम है कि इसमा, हिमा है कि कि एक हर्मा हमारी हमारी हमारी मारें। हमा हिमार मारें वर्ष है वर्ष हमा इनिमारिया हु हा से हैं एक माया है एक मार हिन्हीं मार मार मिन नि र्माधीम नहीं, हिंग्हुं हिं माधीह (एस) हिंग में हैं। हिंग निर्मा है (मार्ग) मिर्ड की (मार्ग) मिर्ड हमार्ग) मार्ग, विमार्ग है हमार कि हे हमार (दाम)

हा-बीड, मकरा भी इत्वीड मकरा ही किसी मवडी व्यामाय मा हा भीडा हिन मारिमारिक हे हिन्म हा हि सम्मित्र है है मही है मही है एक महा है एक महा है एक है विकास है इस कि है। तमें भीड भीडे भीड वहत हाकि मारे हिंडे हुनी मड हैं भीड वह र हामा है। हि। भी उवक बाकी भां की मा हिंदे मार्वे कार्ट हार्वे भी उवक हार्के पाएड इं एव सिल तुन का विसार इं दुने में में हिंद बन देन सार्त नाड़ी नामा चित्र इतियामि हिंदे वस नित सुन सम् मह है तियामें प्रहाल सुन प्रमूसि मिन्ने मेन, ने मुकार हाले मुक्नाहि वे वमर्त्र किनं ही जी (मेने, मुकार हाला वे हा मुन 69 हिन मुंध व्यवेश हा मुंधी भां है ही मैंबर राम वरत हालेंगेरितमें मन्य बंने मन्य वेंगां मिमी वनत हाका है जान मनेता है। हा मन है विद् वुप नेना हमेंद्र त हा है है। मार्ने लेव देवी उर है देव हमें मर हाला है भाग भावत है। हेव वही भारमान देवा के प्रचारिता र्म मठम देवो मानिमां सा देवा पेष्ट हाला दे।।हा मन देवा है केपू हाले दे। रूपे मठम में प्रतिष्ट हराह हे घटम हाह प्रधा पर रे हे हिए हमाम हह बा है। प्रिय ह है हिंह 70 हामे हा है हे रहहाके कि तमें समावामा रे मावितमं रा विवासन व्य है। हा हिर अवत है प्मारम मन किलान दिन ने ने मन ही जामान दे हु हो ते पर परमान हो बल इस्री हा हो भी व हारे (परा) हो हे (अप्र) याते हैं है, अप्रेह हरे मनम् हैं। मनव भी मार्चिमां भी स्व प्रकार देश बार्क दी। रूप सक्स मेरी विवित्रमां कुप वाना में वेवनमां 71 हुए भीवत है परित्र दाले, हा-नेड्री हुए दा जीदां दुप हाने भागरे है हिन्से महत्र दिनी

दिमहा वुप हा मन ही दिमही भी दृदिम बुच उँग तमें मनन विमे मन भी स्व एकिमी) भन्यह प्रशंकेन वे, हा म तम है पि कर हाका वे हा-मिमान कुप थेडी वका हामा में उन्नि कार हम है है रह है नि में कार है है हम है है नि में है विनेशी मा हैने दिनां केंनां है जाम बन्त हाला हा गेट दिन हिंतां हलां हालां मेर् मव्य ने।। हा स्रामाहिव दिंता है बैठह हा है वे हा दिता गुहा है मेटह हा है न।। 72 है भी भी है भी है। की मीहत बुपरी, हा जीहा हिन जीह पुरां वुपामाप जी है, इतिमां भरेत केर अवय वे अमे की की की मुसम उर्ग हिन मुक्का व्यापी विमाणिएक तरक , हिन्दें में की तर के मिल दिल्लीए कराज हिं लिस मिस्य हे किय में ॥ इसी पर्य हुई हिववम्त्री। अबिये मान्य कितिहिनाहा इसके विश्वी के हम निकार में कार में के मार्था है साम मार्थ मार्थ है कि हम मार्थ मार्थ है कि हम मार्थ मार्थ है कि हम 13 हामें हा के सह दामें ने मार अव दिया दिसर अव बसानी दियारी मरूपे कियार मरूपे में विवसी प्रामी भी विमां में हा भी है जीहा है हाम वह है हाले है। महा मनमरा विस मिर्च किहामी विसी मां भी तरी भाउँट उा रेडी जिहे बाही व्यर्डर मी नित्र हा अवहाहिमां हा अमारा भिने करा मात्र वसडे हिन हम रा समडा मिल िताम में किन्न निकासी ने ने से सिका है विश्व से निका में िमाइं डं सिवरे री ठरे वो मह पैवाडं का वे क्षेत्र मह सैठ वारे दिएं है उना वे हिव हारिका है हीड्रियउ कीडा भी गहा मरा सक्वरा दालाभाग हिन विची मां मियीभां िरहाम क्रमीमां ठत हा पान निम्मामां है।

विकाम के प्रकाम के जिल्हा के कार्य हैं। ग्यं वता त्रमा वत्रे भेडडे विड वर्ग हा है हा नाम हे उद्या में भीवडरी, हा भा परे त्वा, उस हिन मिन्य पविताम रेसारी जिस है पिमारे ने मामवर्जिंग्रा है। वनमें, मीनं मारिव ने मान व्य ने एका मिम छेने मिनव वनहिने ने ॥ मि विन यनमे विक विशामित रे पाता है (भी) वर्ड रे हा, विही रे मुझह है विराह रे माने पातां हिन, मिर्दिड, महेद्रड उँ॥ पीत विडीमां में प्रमाष्ट्र हिंगवर्ड , तिहा, हिक्क्य, प्रमा रिद्रा विसङ्घार हिन्ने हे जिस है विस् विति हमें विस् हिन्ने हम है विस् गड़े हिंह हमें मुंपहिंच प्रेडिश हिंह क्रमा मिर हिंह मुंदे हैं है। कित्यां हिन है छड़ मा एमा हि छड़ मा अर्ट हिल्हा ही ही हिन्त मा वैग्रह्माले वे हम मान हा जेना पे प्रहाने वेगहा माने व माने रे रे वेग है ने प्रह 16 के विकास मार्थ कर मार्थ हा अन्य का अने हैं। अन्य मुदाम है। वाकत का केवा मराविवक्य।। भटल मार्ज टल इंड विवड मापरा माज, विमातामाक्र है भाभ हिर्दिक है रामक में कि ने माने में हैं मान हुई मिर है कि में मान है विकार हिर्म हिर्म मिल्का हिर भाग ही (वर्म) दिया है। मिल्का है। मिल्का है। मिल्का है। मिलका है। मिलका है। मिलका मिनी डिमामा डिडिया मिन है हो है है मिन के हिन के मिन कि हि है। ही, मनपारी वार्ष वार्यार हे हम हो है। मनने निया मनरे नागहराले है। म पहा है। है। में मार्थ - एक नड़ ह एमड़ रायह हाड़िक है हिन में पहा है हिन विडिडे हेगार है छमा है है मा है मा है मा है हम है छाड 77 मिन कि हिस्से पार्ट मारिमां है जाक देश है हा के में में हा ही भाषा है।

अपना हैन है कार्य मार्थ है है कार्य मार्थ मार्थ है है कार है जार है जिस्से मार्थ से मार्थ है है जाता है जाता

म् निर्माण है में निर्माण है में से मिलाने हैं में हैं निर्माण है में हैं में

79 मारि व्यक्तिहे मिह मर्ज्यु हिन मिहती हे महां हा याम वहन हिन हेही हे स्राम आमन्त्र हिन स्वामं जी हे वेहम अभ यह हिम है मर्गन कामे हिन हिम है है हों राजी तमत वीडा है। हिने मावाल युवस है माहा राजी वसत वीडा है। माहि क्य-आमि मक्पने जरे उउ, ममां देम क मिनी वहारिक्सा हरे ही अम्प मिलाम हा साहि हुने MV हिं ने अग्रिस विदेश में मार्त हो से तार हो ते तार हो ने सार हो ने सार हो ने सार हो ने सा पित्री म री उड़िया बेबार वी मित्र भारा है पर्विका है, मह मुगमाहित राही मारिने ने वार्षित मारिका ॥ मार्ने हिमा मारिक ने मार्ग निवाह हिसीमा रही में मान तमां मह्य है, यहिन है यहे है। महमा है हिन हेर है है मार्ग है मुण्ड़ द्र हा माविमां है माण इह हाणे व्राह्म बीव ही मन बीव ब्रुवस बेबमा बाव मान रा गांव है बाजम ए गांच हिन घुरमां है वी भी मरे गत, मिह प्रवाह हिन मिह-मी में मी भी महे कर मिंह मान्य जी यह भाग मह हे भी रहे जेंगा है। मान हिरान वेर भी हुई निव ने विमान ने भावनान है विमानि मा है उसे ही वसन

रुठी त्रव मदहा। है भाग भारि है जी स्तेश है हिसं व, मैसर है। म वन्न था खतः मनन रे परी पालव वंगहा मरेगुर्त भाषीत वनवे पालकां वनरा वै।। मन है जात के हुए एकि है ने हिन हो निर्देश मार्थ है है है है है है है मार्थ में देश है है है मार्थ में है है है मार्थ में है है है है मार्थ में मार्य में मार्थ हाने ने जित्र बाह है आपीत बन्दे वास बनत हाने ने हा हिम् ने ने नेत रेए हाले मिड्सी वर्ष वका हार्क में घरमां वर्ष पाय हा हारे वे। उन् कुर विव त्र भी निष विषेषि में भितान करें महानि में विसे दिसे में मह माहा हिन लें प्राप्त हिन विकास को विशासन्य उन्मय मन्य में हा पहिन् मनुग में हा करन मनुप में। ३० विमाल खमे हाकिमा। ही से वन्त्रहाका किताम काम तमाड मावव गाम- महवड निम् मार्थिका रामप्रवीर्थ मार्थित होते। ज्ञानिक हो महा राधिक क्रियम जरमंत्रमहिमावडी भारित रागी ठाम-किहे दिन भी तमारे हिन भी करे बर मामा मार मडि मवाम यह महि मेरिट जरायन स्वाप देम वर्वी व हामा पहाम मार्ग मियामा । शिंह में बर अस शिहासी हैं ने मिर्ट डें अं नुका । विक्रीय हिमान वर्षेत्र है। <u>च्प डेंग अंधे भवाना, पींची, मरुध, हरना रूजी (हरा-सिहे दाला मिमामा।</u> मिनि हो यन ग्रे प्रमाण कर किन्द्रिय पर किन्द्रिय पर किन्द्रिय पर किन्द्रिय है। विस-महवह वैस येत हे कितां हतना वेंसी तरी मारि युवस प्रेरात प्रवीड मा अपि आहि अम्म आन्त्र मव्त नुहरं, अम्म शिरेश व की का पान करिय पूर मिर्वामा हिन में में वर्ष द्वारा मामें में निवास्त्री विश्व में में मिर्वामां ग्राप्टा है भीगमां भीकामुडी उनने नहीरा ने निमेरेकाम्डी भिम्डी, पठिए पृतिहीर्ड परे ने । हार्डिकां रेगं री विद्विहिन्ही मेरी, हा हैनर, विन्न, भा हिमान कि रेगं

वतने ही निरंदी ही एमरी। देम भीन है ने मानवन हुप वेस है ने वा ने स्म-भाक्ष कीय नहीं कि हड़ी मार एम हह कि हहा ह असी के किए मिया डिकाम सम्मित्वा हिना कि हिना मां हाका र री र का न में वहा वैवास्त्री में हिन्ही िमां हिन , डेउठ रंग म् यावन पमना हिमा- छ परिमा, रेवड, हैह, मागा , हमाय. महित्री का महिला है कि एक गर्म कि कि एक मार्ग कि की है कि एक मिर्ग कि की कि नेम ब्या नेवे क्रिका स वर्रे गाहा मेरेडे विडिवें हा आता, तिरेडव = गांवा, मेम व्य भी केंग्र हिल में हिला नाम विशेष पेषड कम करी बाम विशेष नाम कां करी हा बाम श दिव हिवानां ने विषयी। हा नामा रामित्रमें हा ॥ येसन मन् रे हेस्कारी पन भाग द्रामं ने मने उन है। जाप है ति कारि। धार करी ष्ट्रमहा हम महा। मिलाकि एमर देष्ट्रक्षा। पट देश्य हमित्र हमित्र हमित्र हमार हर्गा हिहस प्राम हरम अधिक भाग है मरीह बाल भी तरे जां हा-मन्य वाल हिन तात, वाही भी वन के भितरेणं हार्थितां वाषां हिना हेव भवित भागेव रतम त नेवत मनुपदिन में मन मारेव प्रवार ही वर्त है हेव मुन्ड-हा हेव मुल वित्री हुए हिन है, भी उठि व वत रीमां क्याचीमां वरते हुन मारेव हुन पडीड है हरे हैं, यमत, विरेट वें हु है िमाम 3। VC दृष्ट किए प्रति के प्रति कि साम डे हमाम डे प्रमान है स्थाम रे ववक वपस्मिति मा वडी है भने विर्ध है अवसम्म उउहारी यप हो

रिवासि हिमान में दिसा महिना महिन हिम महिना मिनिया में सिमान है विभाग्य व भीत्रकारी । भाषितामात्र ने विमारी की एउपनी भीतकारी, जी हरीम री ऐवडा मीतरारी। औह सीम वी हेवडा जेरी उमर बिल ममवामें मिसी इस है के हे है है है। हार हे है है में है ह मनीनामं है हिने उन्ही हि या हिला किले पेट देविया न जीने इनका वर्ते करा हाले विम समारे द्वाना में इन्हों विम वेषे स्वना हाम ग्रहनना वैन हारे विग हमहत्वारी। यह हारे विग तमे हत्वारी। यात असी विमान िक य त्या वीउ। है। हिंडे प्रमान हिंद है, पठ, माप मार्पात स्व है हेडी। विकार है मिला है मेरा कि जीना क्षेत्र के मार्थ है भेरा है भेरा है माहिमा ने पीतां उना ने महाल ने मुक्स ने गति वर्त ह व्या केय चेलना है आगा हिन दिने विकारित मी मार्थ हैं गर्म हमा है। हिन विकारित विकारित की केर में प्रति होता के वह के वह के केर महिलाई होता है कही भी केर में पर यित्म हार वि वि वि विहा ।। उन्हीं हे नाम सम् रही है हिंद सीमाधी मांटी जेन कर्री मांटी हे वेड हिम क्यामा मवड महेर विभी हाराम हिए इस ही एए हैंगी डिम है में बार के मिला होता है है में मिलिह ह पाली ही हिल्ली हि कही भा कि कि पिया है हिला है। हिला है ति पाली है हिला में

जवन मुध्रा न आधारे हार न हा आप हिल मुह्म प्रमा हिं ववडे १ वेवडे बाह मिय ववरा ने प्रभावामां ने मिमटी प्रीतरा ने ममन्या हिन विमान बाव प्रीतरा अ विकास का मार्च करी भी करा विधि समानी काल मधीय ही रा है वा विकास का ਉਂਦਾ ਹੈ ਦ ਦਰਵ ਤੇ ਸਤ ਪਦਾਰਚ ਮੰਨਦਾ ਹੈ ਇਕ ਦੇਸੀ ਪ੍ਰਮੇਸ਼ਰ ਨੂੰ ਮੰਨਦਾ ਹੈ ਗਾਲੇ उठां कि है हिन मां डे में तर्ने मार्व रेम हिन काज वठरा है। जिहे भीरवरे हिन वैते उन्ने गरा में मारे महित है स्वामहारी। भाराम है मह मिहरा है जारी है मर भिरा है। यह कार्य हासी हा वीड़ी यह परहे लाई वीड़ी हा गरी न पाहे उ। हिंदे मेवन वर्ग गा॥ इ- हम्मव वहार मुठी वन्डा-ममें हे जी मड भी तरा है।। भारत यहे उर्ड में बामर हे उद्दि में डेले मरुमर हे माछे क वहडा वृद्धि। किहे पेउसी उत्राप्त में प्रव भी भागा मेमकि मुता ववका में विश्व है वहां ववम वर्षे महा वहां सारी भारे हैं वो वेकाम सा हल कुंगडहा परारी। भारत मेर कुंगडिं मिले विचा सिर हरी, हिड़ी हिस दिस निमारी कित महा है जिस है कि है। कि कि का कित महिस है कि है। पाडिंड कामव त्रियो तियेप मार्टिव देवम वर्ग हिर वनमां हेडे तित्रेत्र्यों।। िम हे हे के हे के मिला एक हैं प्रकेरिक है कि एक मारित है के वह के मेंग कि कि माले कार भार शिवसाय वरी ना है सांस है एन है का मान है साम सार्थ सर मुथ्हा श्रीह तर हिचावा व वव अध्यान ही मन तर बाहा वर्ष मक्यश वै ग्यान कुमारी भी महारी हिसांत मामन किया में महाराम दिन

असे में अह राजमार है एक है हिर्मी कार्य निवास महिमा महिमार हिर्म काइएएए तमाने दिस्ता वंदे हिल्ला मार्ग तर महा मार्ग महा क्रिया वंद्राहरण ंहर मिर्ग रहाम महाम मलाम रहाम ॥हे हिर्म हे पार , उत्त मार मार्थ मा एस मा, हें हरीह है है। ए हर हमा हित कहां भाड़िए वह दित हर हा उ प्रमात्र वर्वे भी सम्बद्धा । अने काम मन माने निम्न दिन हैं कि दिन हम म किए खिर निका है। अन्तर हिन है कि है है है। वह है है है है है है है प्रवाह ॥ है। उन्हें पर मार है । मार त हाम हास ॥ ईमदी विवास विदित भाग रामर नेमर हुवार हु पहिंदर तर प्रहामा वावन ने ग्राप्ती मानियम, वावन बीमा रेडी बाहिमा, मेर वी विषय पदी पहुंचारिमा, इसर वेंसर राजापम चाहरू, वीम भी वेवा छेत्र भारित ही रामववर्गहाला मुन्दि वासित वामपवर्भ ार पाया जामा भी मार्थ मार्थ है है हिस महिता है है है मार्थ मार्य मार्थ म अभाग मन्त्रीगहा पीतां वेसां सा में यवा व्या आमायता आग्य व्या है अभीव अठिम उति मामी , मा है भा है हा दिवहिंव है हा मिलाम हिंगा है माने मां हिंगा मार विश्व है। हमडा है। हिंद गंवस आइंगेड में मवित है। इतिहाई है डा में वत अधि वे विद्य वेश मामुड विते सागृत्र कि वेश मान मानी भाग भन्नासाहिन ्रीय त्यासम् ॥ है त्या भी त्या भी मा है। भा ही पर हे हम् ॥ है तक है त्या ॥ १ ता नित्त कर्मा किया है जिस्से के स्वाहित का किया है जिस्से के स्वाहित कर के स्वाहित कर के स्वाहित कर के स्वाहित क अपने के स्वाहित के स्वाहित कर के स्वाहित के स अपने के स्वाहित के स्व में मालह हाका में ।। स्वत्र व प्रिणन मन्त्र वे प्रहें। असी पाला व विकास में ।।

वर्वे ग्री। भारत में ही अडर ग्री वेंडा। मुजारे विव केंच्र हम ही में बार कार्य करते। में बार कार्य करते। में बार केंद्र। मेंद्र। मेंद् म्बिटीन हेर हिराही महामा दिसारी निकास विद्या है कि हिर्दे कर् करें, कर् चेंगां, करें - करा दिक जिमरा दास वृथ हा उनम्मर (वर्ष रहे । उर्दे हिन्दिया है, महार है विमें सामित यह वर पन है। भार 83 हिंहा है एंग दी टेहा प्यां है। मा तही युवती त दिन यु वी मां हे भी तहे वर्षी केंव उस्त वे विभी कवा काण मित्र कर एक एक हिंसे हिंग जापने उठियार स्ति माया अवा श अतरा श्री आमिर देड आधारि में भी इ इड ती शां अवत युन की वर्षे ने मारिसे मानुसा क्षेत्र मारिस मारिस मारिस मारिस मारिस वर्षे वरी के वहता। जाधिक मंद्रीत जापान्य भाषी भारे ही, तातामी आमानी, मांडती मुखाद्वा कि कि माने के कि माने कि माने के कि माने मवित क्षा त्रित में में करि महित्र मवित कु। में के प्रावन असार नात त्रेष के प्रवित्र मुक्त हिमापत युवस में युविवरी ने यही। मवस सिष्ट विविध मुजी है, माना मिमा कामा भजी में विभाग रें ने भाग मुजी वह-मुडे भ्वाम मर्च प रे हा है भ्वाम मर्च परेहा है M रे हि हि काम हि एका हा अधि र ही मार हा है तह के मह है मिथे हैं- अमरी विस्मार के हिला है। कि कि हिमारी पान के हाला है क्ष्म क्षेत्रपड देवर हाता है रामव्वरहाम रहिवाल की वहा मिल्ली मवडीमां हे मिडि थे। उठर बठर मादा रेड्डिंग हा मन मडिंडिंग मिर्म रामा हा भारत है।

१६० म वस बीडा मवस सी (वाडी) विकास मुवता हाला है। हा मवस हिन वीमडा विता हामा है। हा विच्डी वक्रहाला है। हा विमान हामा है। मनम है। मनम राजामन मा मान्य मामर त जात्री मंबडी विद्यी वन्ने तरी व्याष्ट्र माम इंग्रा मेड-िया में कार हिसम है मेरडे जिल्ह मेडर आमर के गा कि मिलिड प काह मामड प्र मारह ीहर्निं ॥ वेदा वा परे वेरे पन वेदां मिम्सी मां वे पुनारा वे मामवां वे (हर्न) मित्री में वडी विडी बन्दे डिडा भें यही गाम महना। हा है क्लिमिश्डी भां है प्रवासुं हे मह्म है अर डांही मवडी बिडी वनने एमरे मह्म है महा हास है। अपने संभित्री वर्वितमरी चडन मिन्न के मिन्न हैं है। त मार्ग हर कि कि कि मात एउड़िस्सी गार्ट एस होते हिंड में किए होते हिंस में मार्ट के मार्ट के मार्ट होता है महिंदर गाम 87 देम हैर राहिमले रेक में रिमले वारी आहात मुखारी हिंचे रे वार परान वार्थ ममुन वाहां हे 'विकान' काउन, ममेन 'बार' हिमाम है 'हे ' हमेम वववा कान) रक्ष राष्ट्रा वृद्धां वार प्रावेवारी विकास में मह विकास में प्रविकास मिरि नामान किएम है हाड़े हैं। है हा किएम है मार्ग है ही गुंह उत्तामा मिल प्रमा पाता हार है विविद्य है है हिस है है है है है है है है जा मार्थी मिला महिस वर्ते तरी विश जारा है ॥जिम में प्रानु हिमारि प दी मन पदरी जल भगती वार्षेप दी मा, वाकी तम्बिमा इंग विशामा किंवाकी तम विश्व में किंव वैक्षिणमां वेंचे हैं। इ मत्वे हारी ह हिन ए महितामा पर्व हिममंत्री कर पहुंगा प्रधाम ।। डीम हम माम दिक हा

विमत नी ही रहातवा हिन मारा पिका भी सिंछ करा के हैं भाग एं भाम ए अर्थ हां भेरा वाक वनम मवडी माहिमा प्विनडी वन विष्या मडी भी मवरा है।। हिताम नमिता मेर हितामं विसारी हा काम नमाहि ही हिवामं रूरी दिवी अंसी है 88 वमा री भी देमडरी वरने से महामा है वा पहें में विस्त है। भी वां ने विस्ति भाग नि नवाम बुन्न अपन तवामंत्र देवा। मेवय हा याम कवन इ आत्राप्त मुहन मका नु हिन के हैं। तम के का ती के हिन के हैं। कि हिन के हैं। तम के का महा में के हिन के हैं। तम के का में के कि हो है। में त्यम है अन्द्र त्याम प्री। माहिमा डा क्रम मडा वन्ते हिंगुर क्षेत ने हि हिं। परा है में मैं भी तीममें ने बेर बहिनर हवरामा रेखा मर व ववृष्टिका रवा का की उर ही भारत है हास साम्याहर मा किसाम हे अपि है कर मा है पट त्यामं प्रथा इतिहा भाराम अने हिए हिंग की महा मारा में कि हिंग है। है। नी मा देवी, तामा , महाद्रा के हो ता है कि हो मा कि है हा है कि है मा दि रेडिमां रे मेवव नामागर मार् वर्षविद् हिमरी मारिव के मूपरे हा मार्-उवासं में मियां वेल पाम क्यी पर में हिए में में में के ही अवस्था के पर के हैं है क्रिया है। हमा है कि कार्य में हमा किंद नामितिह हम हमहम्बद्धि महाभारी मं वर्ग दे समा मुख्य मिन्ना मिन्ना मा हिन वास मा है वाने हे हा और मं महिलाइडरास है कहर का हिनामक विदेश का महिला हिन स्वार कि मार है है अपाप होता है कि हिसे है विकास ना हा ती राय है है। है। है में है।

डिहार हें चेहिता हे हे हड़े हैं। भूकामता हे प्वाप्ति हा युरात हे युराति है। वा प्रामा हे मार्जि मिर्म भाग्य हरी है हही भाग मी हिस् के निर्म कि मिर्म के भारती वर्ष हैवाह स्डीमादीखाह र राषाह काहरा लाह है। है से दें भारी है। है कि इस दें भी है डे बलामां हिन ब्राह्म है हिन साथ हो ने पूर्वतात नेत केंक्र जीवा हिन गीव नेते हिर्दे ही मापीत नेते बवाडा ताय हमड़े हैं है। तीना महित तीन जाउ तीनी हु माहि पा तीन, तारवित ते प्रेंग माम हिमां मिष्टि विभागीम है मार्ड मान माम नवन करें। रामें के हों के हैं। रामें के हों के हों के सम्मान के मार्ड के मार्ड के सम्मान के समान के हमारे महत्त्व है। हिला हि प्याम हामा हीमी ही हा ए हरी है मार हि प्याम हिमा हामा नाम हो एति। भूकान्य पानाहान है निविष्णे। कुर वात हेरान मार्गे वार हेरान मार हिर्म हिन् हाका हम हिर कड़ है। है हरी है हिन्ती मान मह महिरी महार्ष हिराष्ट्र हमा पात्रीकरमा। हास गर से भरार है हिराष्ट्र हिराष्ट्र हिराष्ट्र है हिरीक है भार् के मार में कि हो है कार नमका है हो कि है कार अने मामिट ही प्रेड ना डिमिड डी, प्रेड ,डिसे प्राप हाला डी।हा माप की मेंडा खरुड डिसी है। ए हिर्देश हे एडी मार्थ है मार्थ हिर्मित के मार्थ हिरम है है। ्मिडि, मन्त्र भनामारा रे मात्रे हाले वे (वित) मनडी रेहहाने वे (वित) वरत हिर्मित है किरास माम है मिल है। है महि मार्ग हम हम हो हिर्मित है जिस्स में निकार महार निकार मार्थ महा हमारी। मिर्हे प्रकार महार महार मिरिहास

है भाववे मुंड वाहा है विकासकों ने जिन्हें उपवार मित्र में भारती मानी मिसरी है भारति ने विकास है माळा ने समकों ने किन्न ने, बोळा, राम, वामा करी ने विमे रामहितां ने किन्न ने माळा ने किन्न ने, बोळा, राम, वामा करी ने विमे रामहा त्रामहितां ने किन्न ने।

96 है व के वरा कर्ं, कार्य उसं हुम करां है तर मारा में भारी, पवडी, भाराम, से हां के अं करों की मिम ही भेरी है, सिरां सामाता वकर हाला है। हा कर हिमा छेडत, सम् माहित है वनम इस व नड़न उद्दे वन्डा अविहमां वेप नड़न है माम वन महाता वै नही िसं, हेड्व, स्पर, पुवस, महामहा कि एक महा है उठ रहारा है। माडिमा है सार में ह हा है प्रकार मान्य मान्य में मारिमा है सारी मारिमा दिनात है नातम हार होता है उन्हार है उन्हार है जात मारामं स्वापना है। विषय हुँ हर्ट हिल्ला है हाहाई है हिंह है हार है मामारीम , हिमक राह, महमा रि क्रिव क्रें बवडी काव हेरां हिन विभाग बवन हाला है। हा छुना भएम विभार है मायम हिन पुनरी तकर हाल में। उन्त कि क्षेत्र हुं के किए ही मायम हा केंगं माप गांकी पाक मं वकत हाकारी, ही गांव हिहेब, यर मेथडी, भेच हिंहा, हिमंडिन ने। हा ब्रामां हिम् है पिडनी हिन् है पालवृहारे ने। नडन नके नारे मित्र हिम्मार हे ताल देव में हा ला है। है जिस में मार प्राप्त के लाह है जान के लिए

वह मामी, हेमं सा हाताल ववत हाले कत नवा हे मार्ग राष्ट्र नव कंप में हिंहु उ, कार्व भाउरि वत्र हे हेहडे, भर रा वें इमां, ख्य रा खुगमं, विड राहाम-रेट, जेवात रा बुर्गहा महत मेगर तिमामान, उडे है रामेगत, रेतांमा पतां हाकिमां रेगाम रीमहा उछ उदां दिमां रे यामे रीमहा पाछी माराती, उहा, ग्रवी, देवां है आमेरी। चंड्रत नेंह हामें करते एपहिमां दिसहमता है, त्रवड, होह, भ नार हीमार हा इस हहाले ने मामहेर विवा, मुनव, भाषवस्य विशेष के स्थार मंभर हुन है स्थार १०० स्ट्रेडिश का तुमा महत्राव दिन चत्रं मा। विधा- ह जी मां का वाम है वह हो ने हैं क हो के वह मने वल विकास के मार् गम्बवस सम्मे अभि रेडने ॥ च्ड्रव च्रू भा रिसे चावे हिनम, भणम, विषय, 11 time of the है हारडमा र्ड नक्ट हाडा है तर है ती हड़ी ने ह , कारा हा कर कर के शहिर्दे ममलमार अर्जनारिव मीमा मेरी वाहकी हिमाममा ती भीगरे गर । उड़व उदे राति में उन महामा हिन, अनु , मपर, मध्या , इती-ववहिन विदिरे उत्रा

इक्लावेश करी माजा कावर सी वामिडहरी हिस्ती पवसवीर अवा की मामी मिन मार्ग में है है मी है है मी जा में में मिन है मी जा है मी जा है। प्रमामन श वैसी भाग मनी देख हाला है।। मिन्ने अन्दी भिन्ना की विमे हिन माल मक्त मात है। प्रामित के कि है ताम हम हम हम कि ताम के व ती भी जरी। वामहर में जा मागीर है पिमान बनते बाकी है पानिमा मी दिन नेती बुप न रीव श्वामने वृहिन विमरी भाविमा भी दिए छम मावाल यवस सार्व सी मिनी िएर सक्ति, उरिका के किए हिं है कि हिंही, हिंही, हिंही हिंहित हा म अवसी - केर व कम, व व उ व व म पी भी व व व म हिता व ॥ श्वाम हिर्दे अवा साम किह विपक्री । हे के का कि ते के कि है । कि के कि का दिन के कि का कि कि कि कि कि कि आमप में सीत माहि दी मड़ी है। हा उमहीत तरी माम ही व्राप्त ने मतिही मि हारे जे सिर्दे ने प्राप्त हें मार्ने मित्री पित्री में विद्या मां विश्वामा जनमा जनमा बुरिया परा पर अमर विये आस्ता भागार पनाएमहिं यहिंदु स्परी नाम का भावार पार्त पार्त में बत्र में इसन मिंहा पार पित ही क्षिपादि मारुवी राजी कि हा कामाहियां ही क्षिपादि मारुवी राजी में

102 विमान कि मही राष्ट्रिमा मिला हिमान राष्ट्रिमा के हिमान ने विमान के किया मिला है। निहिष्ट हिस्स प्रस्का मेड महे के किये हैं के हिस मिर्धिक दिह हा मिन हैं ने विमंत्राती माम अही ने वितर मा। भार सूच ने वा ने समान The state of the s रें कुप मिला हो भिला हो भारता यह अवस्था है स्वाह । वर्षे) भाग भी सी किया हो भारता यह अवस्था , बवाही प्रोमत है । हिंद ार्त हमीरड महित माहित से हिल मार्ग है हो मारितां वर्त मान ही है महाभित्रे भाषा धीनाम हिन धीनाम विहम अतिहन हिन हा वै ए ए इति हिन हा॥ हेम , भीना महु। िमा विश्वाहित है मही कि है मही प्राप्त है , ही मही मा विश्वहित है नहीं मार् म दिहा है रहे हैं मिरह महा दिमाम है हैं। सिर्प हैं के कि में वहाँ हैं विदेश हैं। इन्दिन ने ने देश में में बेही बट में ने मकरा हा पवर्ष में हिना पालपा बठत है वैभा न वेसी व्रिष्णा रही या मवसा। हा बन्न - मीन डेन बहिमा रही जांसी धि कि क्षान्य के कि कि कि महिमार हमार हमार है की महि हिमा की मान भी में ने में महिंदी रायंडर मुठम री प्रम रिमा दिएं है की मुना रे हाले ने, हा में व वित्र व तरहा के में हा मेंदी मां माहिन वे मुक्ते हा के मागा हिकि एएए मार्टिस हति महित है। हि महित है। मार्टि से भार्टि है। हिस विम्प मन्यरी नामारा, हाई माग देमे र महत्राम्प वर्गेन विगार्थ

क्रिय है। हा दिम है आगर है का उन्हा है हिए में पूर्व है। मारि है। मारि है। कारि है। मारि है। मारि है। मारि है। हिलांड इंड जिए ही हिला है, हिलाड़ी महीह (सिरिह है। है मिहिह महि खांड न ने मान ने मिन्दी है जिन्दी है विकार है विकार कि कि है है है वास व्याय्वरामा दे वेशक हे समात्रामा है। मिस्तामा हे वास्त हे समा हेवामाहिव हे 105 ही हे हाले ने (वन्से) दिया हे निमें हाले ने श्रीत वाने थना ने नाने, विवास निमें के रीमारेड विज्ञवर्त हहासे ने हा वेप मार्ड बड़ेड मवड वर्त हहासे ने। हा भागी का हो भागी है। मारी है मारी है का है है। हम हि तमार है हि मारी है है। विभाविषात्र में: भाव, पहिंड्, मनुष में, विभाव) भावां में विश्व में। विभावामान मिना है कि में का है है हाला है। दि पत्र पत्र है। यह है मिना है। है। हिन इत्सव मग्रमाहिन ३ विनि ने प्रिक्ष विने : बार ३ वी बार महा मारे हे कि एक (हिस्र) ही हैं कि एक हमाभा है।। है कि एक माना देन हमाभा पर महम व ' बार मवत ना इन बातरह बातर नु हा तैसार बाई कुड़ रथ ने बषड्यामा ही संचान कि आत्र हिना की में मी कि प्रमा मार्थ में निवास कि हो में में है। अने से विश्व कि है। से के का मर्ट जर है मां विश्व है। से प्राप्त मानु का तर है 106 में हा मंबरा बुस महा भी कि जार दियी में कि मार में में जार डांसी विकी हिहित हि एमा स्त्री हारह हमा हा है हिंद पहुंदाहर कि एमा हा। है बाइ कह 100 थ्या मात्र अपन निर्मात मान मान मान हा वापात सामित है। मा मान का का मान है जिल्ला का मान है। जा मान का मान ह नि मी विन्दे हुने ने आप हुने मानी माहिन हुनी, मीमरी हुने मानी ने हा हुनी भारा ने वका हाला है, कार्मा हे डो सी भित्रामात मार्ग मार्ग हा ही मार्ग है। सी हरें दृग्डाक है, हा मार् गावीमां हिंचे मंमर् गावी है। वि व उमें महंगी मागव महंग मामां राही माम बुप वैगवियान विति र वैगा मा (बान र) वेभा वावमा मिंदे हे हे भार कि हे हैं भार ही हिस्टीह मार है स्टीक है है कि मार है है है भार है है भार है है न लाह मही उट हीए एका एएए हे जिसकी हि। है। है एका र प्रांत के हि। है। है हे ही जारही मुंब्य में हा जारही महुंग में, ने जार , जाता में जा में, मुदे प्राम महुंग है बनमां है अमानामां है, जानियातर वात्य प्रिवरी मास्विभी उठ है हेहरी, देवा देवी रेटडा मेरी है मिसी है युने हैं मक्वरा पुनल है। दि मार्थ मार्थ है हैं मनवारमा है वर्गहामा ना हा वार्ग महा है वर्गहामा नाहा भी हिंग राहर (हुंदी) सिर ही हुंदी ही । दिनवीं है देंह , डेहिंस हें, हिएकुंस एगा गरपमा यहा ने बाबा आरम ही विस्ट उठने विस्ट विस्टा ही विस्टी स विवे मामार हा भाषिमा ही मां गांव था प्रीमां व्यक्तिया है वित्र है। हा मावाव ही विस्तवारी किए में हे बेए दिए। एमहिस एमहिस दिक है। मार्ग प्रसिट क है मिरिम ह -िमार दे रिक्ट हुने! दिगार हिंद ही। है हिने हे हिन हा हुन है कि है नि वृद्ध विद्वान त्रिका वेश हमाविमा त्या हमाया है। वाम आडे त्र अवाड किंड उर्ट हिंदी है एक हिंदी है है एक है है एक है है एक करी है जिल्ला है है एक है। न्या बीरा सामा होते वहाई हा सेवे वह मिलामा पूजा जासिरे । सि रास्ट हिंद हिंद है में इराह हे एहं। हिंत्र हो कि हो है निहें है कि है मिल ने बाउने नेहरे मेवलप ताल हिने बनत लाल, जेयन में सम्में रिकार दिये बीन 'रे विकामां री

सिमक्र इमान वह दे बिमा है पिमार इहारा ॥ दें भी अस भि उठ उस या उन पेच भीन अरियानी। जिहे यने ही गतन न विद्याम ही पद्म गाप म बीर गुराउ विश्व विशानि विज्ञानि विज्ञानि विश्व हाला वैश Mora गन्न न जीमरें गन्नव, वेस देशामन साम वेनी देशहाका विभि दिल्यी। विमन विकार मिल है। विकार महार प्रकार है। है। है कि है कि है। महिन र हरड़ी गर हा महा मिल्डा मान्डी भाग हाका भाग्य हर्डी भाग हर है। III वलज्ञा हिन की भाग ने। विभाव में स्था ने भाग के हु देश देश हा मार्ग ने पूर्व मन्यन मारिकी मनम्, मनव भार्ते वृहिमें मिमान है हिमहिन धनान है। हा मन् है मिन-रा रेहा भीतर जेन में मन है। विमन्धर रागि मन्धर है रिक्ष री जार हराला रागित मन्धर जारे मन्धर के नाहर वेन्छा मन्धर रागि मन्धर वाहर वेन्छा मन्द्री। हा यह ए या ही मन्द्रेनी भागित मिटिन हिने काम प्रवेच हे के कि एक महा पर देन के प्रमान स्डी भार एक कि पिरीस उह है। साब सीमं क्या आयाहिन ग्रें। हा बिर वह मिरीन की अर 112 उस ने भागाउस विउस जमाउस पंजावनि १४ से मं हे वे छं हिन मिनि अरेड की मन हमा हिन आहा भागहा दिव न हम मन भागा हिन है। वि मनमू क्रमा डिम हिन दिवान करेरी।। दिन मनसर कार्ने मनवरा वाना हुए में हा मार मारिमाहित मत्रविगरी, हा मारे मात्रां आहा मात्रा हामारी महामारी मारिमारी मार भिंद प्रकम रिनिड् इति में है मिन्ड इसाम है दिशंदरी है जमम हत् कि मनम हो। में हाला है। हा अगम केंद्र हाला है हा माहिला उन्हों जी भा कार के हाला है।

हा मड पन्मां हिन युवत है।। यस पनम पने पनमा युव शृष्ट्वानी भगपी नी। विसवस् कीरे मक्स है में वहरे हाले दें। हा सि कि मा में मह कहि महरे नमानहिन की य वर्ग दाका में भी देव नाम वा ने वर्ग में व नाम की कि मान मियम सब ते वृद्धि भी भी है वो ॥ वि अवसर् आ वृत्र मेम अवा हिल देश में हा है है। में हा है है हो की महा है का मानस है प्राप्त दें। हैं। मान ग्राम न अहर मन पांचय र्वामा श्रे के हहारो है। वि मठमर् वासे वास पर्याच्या इ. के ने ति में विषये ति है है के विषये में के में के में विषये के कि में विषये में वि गाउ का नेवादि म कमन देश नेवाडा अंटर हाका वाक्य मी क मुक्स ने मचस मी व पित्री ही भीकां उतां है आम वंत्र हाष्ट्रारी ॥ वि मत्रव् भीता मत्रवा हा मिला ने हा वाडी ववयहाका झाहाबितिहा ववयहाका है अवयह किया का विसवयह 116 मेरी सवस है इस है जाहा मेयर हाले ने मन है हिम महामने वे वि मनसड्वा मारे देमांहिन नाम में हा ववजहां मारि मारि मांहिमां है वा वज वव ए डाया है। क्षेत्र ही भां चिया है मही स्वाह मही मुक्त ही म किता है ही मंत्री इस्कारी हा बाहा है विश्व हाकारी हा मीत्र मंबरी का बिक 112 हाला भीव मवसरे रेडि धर्म बेत्र हा क्षामा व व प्रहाका में ने असे वेत ना विस्तर्भे गीत्र अवसङ्ग्रामा है से मार्थ है अवस्त है। विस्तर मार्थ में अवस्तर है। विर्वत्रमां रहा भावां ते वे इहिकाग हिंह व मार्गिश हिन भागिता विरे - अर्बेरी मव अविभागमां कहा का मिरा में के भागमानिक म मिर्हेर

(It rimigio in ma por

हासियम ने हे श्री हो है वाह उन्हा में में विकास मार्थ है है हमस्मा में हिमान हाक्षिमां ही (त्रावाडे) नाम हा ववर हाका है। भाषी हा विसरी हि हिरामसं) ह हिराम (अयोगालः समास अयोगाले । हामा है विपान विभाग है। मकाम हिन एक गुन्त है। हा निर्मात हमहा समीत मान है है। मत्त्र ही है उने वर्षिय ज्ञा प्रविद्या जैस्ट में हा क्योगित ही है आवाम ही अभागे पाने मही तिर प्रमिन है साम मानी मानियां है। समिन विक निय निय निय निय हाका है। हिम्मा हिम्म है। वह अका किया है। वह भारति वह भारति । वह भारति । त्रिमा उर्वाहम (सर्वाहित) वह वित्र मिल्मा भिल्ला सर्वित ॥ १६ उन्नी उन्न बंग भ्रमानिक (मार्गे क्रिया) मार्ग वे मार्ग वं मिमान क्रम उहुए की है भी दी। हा-सिम भारत- हक, मुक्र है।।हा वरे गत्र बैरेशिमाण रहे भीमां इस्ट्रीडिशं खापां ही तमा किता हाता ने जीत बन मार्थ वह वस्ता ववरा है। विहम्मानि मीती है। भाग का अधिवां मीम-माय है एडिसा महिन्द्र हु मान्त्र ने निम्मा है महिन है मान है विडिश मिन्न होता मिन्न है मिन्न है सामित है हिन में हिटिश है मीम हाजा है। वा मीमल ने बहा है। मा है है वी मां है। में विवास में कि वार प्रहामा हाथा है हा विषय हाथा है हा स्व है हा सा हा या म ववय हाथा है। हो है व न ॥ उमेपार विवेदि शहर नाम ने मेपन बन हिंगा क्षेपा हिंग मिपनी मू द्रा हाम । १०० कि के नियम में प्राप्त के प्रमे

ार्ड स्टाम हे एड्रेड्स मड्डे किए मार्ट मार्ट मार्ट हार है। मरेहे ज्याती पेनड नम है मरीह वाला हैह। तिमने वनते मुखी है। दि चिमार क्रियान है। है महा है सर है कर है पर है प्रकार है। हो किएत है हहता ग्रामा ग्राप्त ग्राप्त हे हैं वा विषय मायन मायने मा है थे हा वका हाला वैहा मामाप ए अवग इन्या द्वाइति में से गा हिमरी अधित है तरही आए द सतह है। 119 कि मवसरे अप्र मवसरे जाम ववर हाका भे हा कुप्त हामा मुमवर्ष मान में मान विका में की दिस्त की कि संवाहिता है भी दिसा देशका की पि मार्थ कि में हे हिंदू वाजा वृप रेहा-हिंदे, विवृत्ती हे हे हाले ने मनुसंसी। वि मनवर् हेरे मनव मिलेंड एकम भारते विकास के हैं है कि के मान है है जा है है निस हिंह तह कि मान है है है। के अपी आमंहिन है ने मठन एवडी भा हिन, ने वहाना मारि नवां हिन है। हा विश्वाह बन्दर होता थे के अन्याह समाह का थे। विश्वाह के होती आकार के के हिन्दर के सिक्त के मा ही कि हम एम एक हा हि हि हि हि । इंडि हि तारक हर्डि हि तिमा । इंडिम हि दिसर वर्ग है भावल भानामें भवलहाला, भारामी, युवत वे बाह हड़ी भवल कुर हाका है हा भारत हा माला हा नियम की मिला में है है । कि है कि कि है है । ारा आन्द्रा मानव नुरेष ने मध्य हरे हे न मध्य हरे हा मध्य ह हा भवा हा हा ना कुम सह रिनाम हास्त्र ए जिस् माना है विसे माना है विसे हमान र देवीं। अमेम अमार्ग अमार्ग अमार्ग है। किया महामार मिला अमेमर । विक्र र स्टित्सार में हर्फेन हिन्छ में । सामें हिन्छ में कि कार्मार है एसा संमुख गड़िसाई अभिमिन हिम्हें हैं है है है है है है अपमी अमिन हिम्में निर्मा है।

का दिन की दिन हर के स्व किर भीरे ग्रा मनगढ़ मन्पहिन , नामे, नाम 120 डिने अवम अवस अम म न के हा हा ही दी दिवस वी दिवा पे दिन बाह कुम विकितं हे हिलानं में बर्त हे काम वठत हाती थे। हा देउ पड पत्रे क्रिडा वरण आधा मुहा डिवाह ब्रामही तु वामम सामम माउव विने हा माश्विमा किता है का से का है काम वह मार है कि का ही कामही। कि हिएहम त्यांडाहम - हम किए हिम हमा है हि हिक - मालम है हिन्छ डे [डावे) मानियां हे बुद्धा उप है हम मानियां है वानां हारे बतावु 130 मारे वाया मारिमा, द मृत्ते विद्युश हिंचा हुए में कि महा का मुन्ति हुए मारिका मारि मक्सं है नेगर हाका ने हन मन्परीए हिंदे हैं में में हैं नेतर देहहाका न होते हे स्वाका है। महिंदी है समय है स्वीम ।हि एकाइ हे रहे । वि पन्ते तहाम ने पन्ता है। में हममं विवर् एम न्या हाका मवित है।। निमीविक मैद्याम ने विश्वमा ने (हिंछ) तिवर ने मायामहिन ने देम म यववे मा. पिडामा हिए हड़ी एमड कि मिन हिम हिन हर्डे हैं है मिन हम है है। मरेह मरा मरा सर मेर प्राचेवववेदिन प्रवाहिन मनुप में। विद्वाड मन्त्र नेवार द्रियं वित्रम्वत ने अमात्र हा है उद्गे मार हामा है समान हा अवित । तं अविद मारेत न द मेम चेवव साम्रामाहिन येर् 137 युद्र वर हतामा व विषय मवत कु तहा से वाहा मान ता व तु है। वयर शाहित महत ना हि विकेशन कमान स्थान कमन प्रा ना आप प्रवाद न

ने विक्री हेरेर राम है। सा केर हैं में कर केर हैं में कर केर है कि हो है। मांडियी महाहां मार्डिया है मार विद्वी हाला है। प्रवादि प्रवादी । भाग में विद्या प्रवादिक । हिल्ली विवा अधिव दे वी अवे शिर प्रवास मित्र में भी में के व वार्ट हाला हिन (म) अमियान मने पेरे पेने । मुपा ने भीविद्ये वप में हा पिर भीविद्य 126 ने मिनेह मुक्स में हेहिमने वर्ग मरा किए हाया भव्य में भाग हो। लाका हममम । हिर्णिक हामाई हिल्लिक हिर्णि डे हिम्मूम जिल्ला र मारिकां है भैटा वन हाला है, (मम मड) मारिकां है (हेपनान, मैंहा व 127 र भिषामच्य प्रकाम में भेयता मीहां हिन (मामा) हिम्बिन नित्र हाया है, वाह मक्बिह सिमिस है हा मिगु वर अभग है समावा व वर्ड करा। म देख मार्के । हिस्सि हा साह हा हा है। ते प्रथम है पर का मार्थर है मार्थिय मक्म है का है मार महीया है है। है मार महीया है कि है। 129 में डिगान हि गर हास्त्री हिंद की मारि के हिस्सी मारि महार (गमवान) म्यान, पवान, पिट्यी (दिवान) विम्ले का भी भी में पूर्व है। अधारी मंदित अपर हे. वश्व मवेत हु अभा में डा (अप) वित्व अभारह ।।आहे. मिलामाना महता है बीवर मियाम आमेड मिडेन हिंदान हुए न में में हा डिला से हिंडियां में व तर हा का मैंवेडिने सेही मार्ग से स्वाहरे कत,

80

133 सिमान वे हिस है जाने वा वे प्रमेस न माम विषय विचेते. वसी विष्य र रही था सबसा कि है जिसा री मार है जिसा र दिन पिया रिसा रेपिमात हिन उपीमारे उपहिन्नियात पे मंदारे हिंछे वियात एकी का सर्वे मुम्हिया - प्राम प्रश्न वन सरवा मा प्रथा में से में में में भीका मार्गस्वां अधि है है पात्र के प्रतिक है कि हैं मार्थ में लिय मिर्ध है माहिए इंड ेर महिला महिला है विहें विहा ए है ते हैं विहा ए हैं कि वार्ति मान उन्ह भुशा अधार मृहदे में शिमात्मी मार्व देहें में खितवा वितात आह भूमडी, चमडी, झ्यमनाठी, मिलामा है के हिंग है। हिमक हिला डे में के ही मान कि हो है से भाग में है के में मान कि है के हैं के स्वाप का है के में हैं महिल्का मही कारी तार दि हात है स्वीत है कि है कि महिला महिल्कि कर होती हीत हारी मही केबी उनीर से हिल मिर्ट कि कि 134 हमकारी पेन स्वार हे जान है जान है निकल है महा क्षवं म गुहरी, विशेष मा अवस मू सिव धिन्तेत प्रकार है, वर्षित ह मीठांडे अध्य मामार्थित है हिर्चित मार्थित है मार्थित है है। ह गर ही हा के हा भारतिया भारतिया मिन हो है वह है ही असरि वित्र इस में मार हा मारा तीर देन में मार्म मेर स 133 मारी में भी में किरिया मारी की मानरा।

कार केरी किए हैं हिल्का में हिल्का में हैं है। स्था मार्थ में हैं है। सिल्का में हिल्का में हैं है। सिल्का में हिल्का में हैं है। सिल्का में हैं। सिल्का में हैं। सिल्का में हैं। सिल्का में है। सिल्का में हैं। सिल्का में हैं। सिल्का में हैं। सिल्का में है। सिल्का में हैं। सिल्का में सिलका में सिल्का में सिल्का में सिल्का में सिलका में सिलक मा उवं हा के वे विकास है एक मानवार है। मानु मान मान है कि कि कि कि कि कि 136 में विश्वति माराम में - मार्थ- विश्व में सामा में हैं। याम मेर में विश्व ने माहिसामें हेल काम महिसा है, हे ,हें मिम तवते मन है रमहें हास के हा साम मार्ग है प के हैं कुंप है। हम मार्ग है के मार्थ मन्ता है क्ष समारा काल ने उन्ने बिकासा में हहन प्राथन वसवान कासा। समित हलाए : केर एहार एक है हमी र मेरी मारक है हतीह समाधि है विम तं है विन में ववडा बुवाडा, हवाडा समझ दे हा बीपर मार मिह 137 मिन स्प्राम मेर् भरी मेर मान वार में नाम दिसे री नवारी देवर में निर्म न हा- भा- डम्मवन मन् विस्मादिस न गडी हे हाला में डे विशामंदिन पागर कराया वितवन मिन वितर्य प्रिति हैं।। हा-श्रीम हिस्स हिस हीम हीम - मिन स्वाम के मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ हिस्स विमान में हैं रे किस किसा दे हैं हैं प्याहर मान है हैं हैं किस किस हैं हैं किस किस हैं हो मा छोमा जावाता हा- य= अहमें म वडवे (वाम) राजह वेप छै, स हरते हि एम एक दे विकार कार्य मिन विसे प्रिया कि विकास माया हिता मा हिता था। मिरिन में मारे ही हरा मारे अंदी मायह हाया

मह महामा देमहाविते. मंद्र तिमास माहि॥ महिन में किसाही के मिटांत दिली क उदीन दिली कि स्की हित हुने हु करते, हैं हरी ह 136 6 19 ng 43 3 4611 mlsd 2- 5a 53, 963 313 mgd 9. हम हिमा है है कि में ता है हिंद हिंदी में में दें हैं जो महिंद मही हिंद के हैं हिंद्या माम हिंदी करीशा मानेसरी नेवा नेही निष्ठ मा मही उर् विमेश भामता चेउड डे किन रे हिन विमेर मिनिव भी ते व वित्र में हिंद में वर्ष व वित्र व वित्र वेश में हा पार्थी-ए ने बीजन हम- हमान हा सका ने मिन म हा मिन हम ने में ने से ने में ने पानांस हिर माहिता नड हिर्दाह है। रहे माहिता है हिर्हा वर्ष का बिहे सीहे हैं। ध्वाम मुक्त हे मार महिला हु अंका में किएं मह हिर्मित है। हमार है हिर्मित एए हैं। हिर्मित प्रमार्थ प्रमार्थ ने विही देहिने हें हा- अवाहे भीने, बाही हिन्छे देश हुप भड़ हुप है। मित्रा में विषय है विश्व के हम की हम की का मानि मा। सार में भी हर में हिंदे में महा की क्षेत्र वित हाका माहा की मन -वीसी क्डीटाएक महें रथी मा नाइआ है। एक रामडी माह मार है राहर है स्तिह है हराह जिल्ला है हिंदी है हिंदि है हाहमा । है मा भी है मा नित्र प्राप्ति हे सिने में मिने में मिने मारी रही है।

142 में स्ति है से इ स्मारि है मन वि रेश - मुसम महाल रेहरे हैं अर्थ कार मारी मार्ग है हिस्से हैं है से सारी है पर हिस है से वह त कहा छा थे। मबने बीडा-मन हिन भाष सी गाँमरा थे, हा मन है विक्रिक्टिम के हा- मनम ही विकास हम्या में मन है ता वा है ने महा मन बिए डी हिन गत्र विषे वि हमन मृत्त स्पान स्वान रा प्रीहा भी किंगी के राष्ट्रकारी है कि है है है कि कि में कि कि कि में कि कि मन्द्रितामार्ग- डेवे मिट्रव मन्त्र-टी भ्वाटना है। हा- अमाप प्वाटम्प किष्या है। त्रीय ने मन्त्री कामा है। त्रीय है मार्थ है। या है। वार्ष है। या है। में धार्या प्राप्त क्षामान हिल्ल हामा है है। भार का हुन है। हिमा नाइकि हिम्ब निया है निया है। है हिंह मार हिमा ये, हिएसी है ही सेव मिह असे सेव वारे रिवरें व उसे। मनर्व व उसा वन र हाका वै ब्रामं रे ही वेह ब्रामं अवा मार्य छाहै।। मुब्हे मार् मवसरे पाणु वय रे का वीतिसे वे महा पात-बीहत व्यर्थ वे जी ने वे ।। हा मठा र प्राउत्र हंपर्य हा - मठा रे पढ़ातर जेगरे हा मवध हिरु (प्) हमेम वववे (नामह) नाममा जैना थे। मवर्ष उन्हें-144 मन री निषमावन हार्त है हा मन में बल रेरहा के वे जिनमें वनी मारियां वं वार्षिक माना जेला थे हा मन मिवां च ने हा मन मिन मित्र भारित वंद्रभ हेते वंदर्व भी में को हता। पत्री मकम जानी है। जुगार प्राथितमं हिन हिसाम देशिया थै।। हा मन्हे जुगारी राज थै।।

अर्थ विश्व हैं। निया मार्थ मार्थ के विश्व हैं। निया मार्थ के विश्व हैं। निया मार्थ के विश्व हैं। मार्य के विश्व हैं। मार्थ के विश्व हैं। मार्थ के विश्व हैं। मार्थ है

68

अवश्र मेवरा - माड्राम, इयथ, इ. मेवर में तड्ड, हैं। माड्रामां है मेवर अवश्राम मेड्रे का निमाह से हिन के प्राप्ति निहर हे हर में हा है। है। कार हर मार हि हैं हि रहत मार हिर्म किमार हैं कि कि माधिक कि एक हैं कि माधिक कि मार्थ हैं कि मार्थ मार्थ द्रामान्त्रे मिन्द्र माहित यह मेडी मां हेन हो मान्य है गरे प्वामंत्र है। इस प्रवेत राही प्वाम की हा समारे भाव महिमानम्बद्धाः द्वामा हरम् हरमा विष्ट्र महिन्द्र महिन्द्र मणी अस्व मामर् हिमाव वय मांखी प्वाम् । सममे रामाव हिन किए रूप हरवा विदे भी रह की महत्वा सारा विस विदेश न दिसने माना कि है माना के मान है माना के ही माना माना है। मारिक करिया मार्थिक दिएट एड्रेट हिए महारहित है - व्हीस्मा महिलाह कार्य हात्रात्र भाग हा त्राहिल करित वे चेर गडावा। मुठत्र निवह मिक्सी कर भारतर मसर है आवा। 146 अधिकार के विश्व अधिक हुन वन हुन अभी। में मानु अभी भी में के इमिन में हैं में हि हैं गर है है जिस् है सार्व मह है है मछे हैं। पन इसेम वर्व में महा हाला भविष्मा है भचा हार्के वे हुन भारिया ही भचा हाली थे पत माप मारिया है ही में व ह हाले है। इस न्द्राक है भर्व आह है पव-विधित है। पव

होंग वन्ते वस है मस्त्रहाले हैं। हा जिता है है (पन) परे एक मा विमा (ब्रेडियरे महिमा वे हतंत्रे हे मिरिमा परेवविद्यीवेगम प्र हाले डेवाबी भां ही भम्ह हाले है। मरा मत्र मार्च - अमेन मार्चिकार रे अग्र हमरा में। भागामा मुग्ने अग्यान मिट्टा डि. ए. हिंही प्रीप्त हैं। के वेत सकेरी प्राप्त निवन है, है तथा ने विने मार निकास 142 बनी हारे देश मिक्स निकार किर्दा हिंह राम िंडेव्या दियम-तिय इसे तुर्गय तथा, ये वेप इ सार्वे गा रिक्सी मत्ये गाम हे वित्र मूर्य हास्म है। म्डीगि भारती भारती भारती हिंड 148 मारिकार विकास वेडिय में है ए में है में ही है का महाना राम निमेरा प्रकृष जिमेरे किम है सिमारे दिवसेंग है । भवदा सिमा भी, भवी हैम रिल माहा का भाग सा बेही पुरुष का जेंद्रात के मर्दे मिर्दे क्स ह हिए छ एक दित होंग होते दित रामार हैस विकाबह हार हाए ॥ हे हिल हम्म हाह - हाहत हम्म होमत हिलाहाम एक हि . हांस्पा ह हरी हे हिल्ला । हरही हे हामार निमारी प्राप्त के माना है। हा मार्थिन निमाम होते मार्थ होते मार्थ निमान होते हैं। मार्थिन निमान होते मार्थिन मार् विकार हार रास्त है। है। । हिम्मा है हिम्मार के हिर्देश है

हिहाम है कि इसी डिंग्से हैं है जि है जि है जिए हैं डिमड दिसड है अईस्ट्रीड उधु में ही है कि उक्त है। है। एक ाजर देख कि मार हहा है कि एक कि मार महाने हैं सि अधामाम देत उठा 2 प्रिशी व मनमा बैपी डेल पीर बेत देव मंद्रिट हम्म में हिम प्रमा प्रमान कार्य विकार कामा हाय काम तिह ए द विद्या सिरामाहीमा पहिंद है, है रमा रामा व केवी में व हेयहे वर मा की मिम ही वा दी हैं वी पैक बीडी अ बीडा यमा है सेवे वहा है, एसमें मिनाव डिर वर्ग, मांत्रे मेर अवार मेर वरा, देव वर सिमाम निया साहित्री नींभाकीम रिकामडी प्राचित्त की शिंट कि कड़ीम जिसह कार्या है। माबा आमा अव में विहिला गावरही हवाला हा खेता हिसाम हार पुरमा है दिमाता रे भारत्वी, ई रेडर की महरी में ममा रे विभाग ममन् भिमहरी उववीव दिवान व्यव मा नामर वन ए। मासामु है निक्षी हर िरामा वह, दिर है हि मुक्त रहम कि नि उद्यसीय वर्ष हिमारिता ॥ वि यम तल चनवा वे वि यम गर् कल भिरवडारी राच कांबा-रीहारी हा रीहेरी किमाणी गामपूर (वसत्या प्रद्वारी प्वर्वे विवर्व वे माना है विकास है वी माना है विकास है वी माना है विकास है वसमी वे वे केडत पतु "भिवारी में स्वडा हु वी दिवी थे, पर्व हरित केर मुक्त कार पारी मां हुए कही गुरू है पार्टि मां हुए। साह

भी किंग विवर्ध विस्ति हिमारी है रहे हैं है हिस्ति हिस्ती क्षेत्र वर्ष हिस्ते क्षितिष्टमा मंद्रा मारा है विदे सार है विदे सामा मार्स है। हि सामा (इन अवा में विश्व में हा दिसमें विश्व में साहिताम वेत दिसमें मामी एक हम मही, डिमारी एमड़ हिमड़ी दिमड़ी निर्मा , हिस्ति ह गिहरीक हितार हिस्टा ग्रीस विक्रिक शिक्ष हिम कार 120 वि माजव अनेव व अ129 - तेबस अनेव - तेबात बाध्या में व तेमसव ह विवाह है। हैं ती मीर्गार्की वित्र भागवृत्त हार हार हार हा मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ हा मार्थ है। अहें अही लामी मिवन ह गावें , हरें ही पूबार मी हा- प्वार हे पूका भिम्तम हारा हे हैं ते हिंदू हहा उस ईंग्र छ एमा है ही उ ह कड़ी उराहा वि, हे भाग वैसे सुपर्व, महुत। समात भरेत । अ. युव) तीवादतु हा यात्र - तवाद । स्रतेत्र-तीराताति वास्त वरेव के प्रसेत मिया हमाय मामा वर्षा हमाय वरिह मित्रक क्रिसा १६ शामित विराहिताम मंस्तर वह गहाका माठी भा वलामा - आही भा मेड स बारा कुरमियी पादिशाहे मा अभिनेत्री दावमी पिछाडी पमउद्दी मिमिक्ड टेह राजानी मन िक्वितिया द्वालिक मित्र कि मार्थिय एक महि मार्थिव हि विक्रिति एक एक एक हा त्या मार्टित में कि मिन्नी में प्रमानिक के मार्थित । हिन्दित हो। यह अपार महास्त्र है गार है महार विकेट है

अक दिया द्वापि वामण वस्ता मन वसाल नेवय मनद्र वस्ता -वक्स अवसी ववरा हांका वे हा- किम हिमही वव रहाका ही वे वे धुवर शिक्ष में प्राप्त है है । अन्दर है कि है । है । है । है । हिंभाभी डिरास । हिंदि हराम ह हर्ड हिरिए हर्ड है हासमा हर्ड है मानार इत्या मास्यां है मानमासामा मास्यिक है किसामा खाइरहे हैं तमिरामाधिम न्यास्मा है मा हित्ताही कार्स नड किएक्षेड हैं स्मिष्टिमारमा हामाधी।इर करड़ी हरिमार कि है कि प्यात है जिस्ते हैं। इस है जिस्ते ही । है। या व कि का महिला है का महिल न केर त्मित्र-विशा वेषण हामा न वह महास वेषण हामा न माअह वावन ही बाह ने ही है विता है न है है। वर्ग हि हा व वर्ग है। में अवर्धिता ववर हात्या द्वाति व सर्वि व सर्वि वार् मान द्वारा मार्का है जामस खान क्षाह है जामस व 153 में उन हाका केनवारी हा मुक् मुपहाले व्यववरी में ने शिलाही मुल दिला है मार्थ है जिसमें है लियान के वास है हाला है हिलाई उर्रे ।। गरीमुल रिहानी वीमां में रिहान-पाएको ववरा हामा री में हाराक्ष रात है एसमार है एक्ष्मी लग्नीहर महासाज राय नवाड़ा है लग ह (भिन्य) देसप्डाकाव डार्सियमे इंडडाया में

हिन्न - जिनामेश हिन्द्रभू ३० व (हिन्त्र) द्व हिना व माने में पीरहाकारी मेरिन मुनन में दिन मेरा। मेनवारां ने गार्द नवन से 154 ने भाग दिवली पृष्टाम ने बलावां है पविस्तिमववते राम ववत हारा ता । कुट वक्षव तिय मार दिमन आहा। अपनुम्छ वास्त्रा न न समहा ईवटा - जिस्किम । है उन्हें हैं विश्व देव हैं विश्व देव हैं । मार्ग है है। मार्ग है है। काइ इसामां की मासिमा हैं विविद्य है वे जा मी मिनिसा हैं विदिश ववर हामारी। वस्पित वरीमर्थ- बुबाहे च उत्ता कर सिंद हासार्थ 155 वें के देवहाला है। विकास माळव है ॥ वे विमित्त के लिए म्मिम उक ् ज्यारी- माचीमा जमाराहिन है। विमे दिन वस्त्र अंवर्ते वि मिनिमिनिम माठी भारत माठी भ सिरामारी भारत है हमें अंस है वस में वारा है विवन्त्राम है भावाम िर केटा में के बेगा हा मागिन त्मा अवस गरिव **व प्रवर्ध ते हैं में वर्ष** िए रे अवक है अहिंवर अव म हाका री। वित्रमुख रिहाम - वेदे र निर्धाम मिंद्र विकास साम में है कि कि मान में हैं कि साम वर्ष है। काम वर्ष है। पट्टिए हे एक हैं मित्र हैं है ने उन्हें ने प्रकार है प्रकार है अप स्वाप कि में प्रकार के अप सिंह क की की हा दिसाव प हाणा हु हा - दिस्व प्रहाड़ ये व मध्न शह अह अह रा हिमाम है। हमा है हिमार क्रमामह । है मामी है मान कि हा विता हामार्थ हा मह दी मिमान हातामात वहत हासार्थ हा मह रेपाप पीतां सी बापी सी पहाल थी। हा गाप मन सी आह पहालू वन रे

हाका है ने भाग रे वेसी रही महात महत हा उड़िक्षा रा वनुरा मिलिसा अर्माम गरि एका इर ठिकाव वर है। समार भी मामर भी किनेती हिस्सी के कि हिस्सी अपने समा कि मिल्ली किना है। हिमार हे अपने होमन देशकी हिन है। मही है। मही है। मही है मकार है हिम्द्र है है हिम्द्र में देश कि है में है महम है जनस्य होमार्ड म सम्मा स्पर्धा अवसम्पर्भ । पर हिमारे मार्डिक्स है हिर्देश है प्रस्कृति सम्मान मार्ट हिड मंग्री नामा हिर्मित हैं मर्ड हिर्माण अस्डेमा, हैंगड डिमीय डिमीय हामारीमा इडी माडीबी वि है।माडी माडीमा हमाई हमा हि हिमाम द्वाहा ने कृत है. बहुत मानवाही प्रमावान है। उसमा मानेम 128 3. अम्मं वृत्रातु. वित्रतृह माविमाविता हिन व नामां भीमी माडी उर्मा निका (मार) हे रिका , तिसद् हैं माह अत -पवर्र, समीत-धुका हा जमंदी- समारे हिस्डेक प्रवंद में।। भारति-म् के कि मानू, ॥ बाबावरा डाम ने मा हिमा-त्रवर्गडाका ॥ प्रधामक वर्माक मार्मा है। हर्ड हमा है। हमा हमा हमा है। है कि इं है कि इं है कि इं है ें हैं (सामी) मार्न हामा ने हिंग- में हैं बवारी बैंग हाम प्राप्त हामा ने मिन क्ति है मान हिन आका तुमाना आमान सिरंग ने अधित है अधित है।

जिह ही है हिस्से हमी हमी हें हो है सह हमी दित कार क्लाह हुमाए कड़ी मानाम प्रमाहामां है मड मित्र रे जा, पर ने माना रिक सकत उदेव मिल हिंचे उनके तरी मिरा मठम मिमापन है। मेरी- भगम श्वाप हामा म देसाह िमामडी प्रदम निहास एक हिए पह दे हैं है है है वर्मा रहिएहिंस है साहारम हि हि उन्ह हार में हि लक्ष्म मार्के-160 री केमर के मेंका मुकारि कर विजी मा भागिर भागिर प्राथमा के प्राथमा कि प्राथमा कि प्राथमा कि प्राथमा कि प्राथमा कि प्राथमा के प्राथमा कि प्रा डि हिम्हे नमण नहा है हिए हैं साल हमी में हि हमा एक मिल मकामरा में विवये (हा- मान ही मिहरी दें विवस्तित्री। प्रसा-न - माजा हिंग भूति उने राउ दिश है। दि माजा प्राची - भाग है माजा न री मीडाइएस है। जान है। मेरा क्रांस है। वह है लाइ हिला मेरा हाका है हा भारत बचने मंदार हाकी मंदार हा है। हा भागर भाग म्पर्वाक्ष मा कि मा कि वे कि के हैं कारियात विश्व में स्पराका की हा भीकां मार्नियां के हिंदी हा महिंगा विशेष हा कि है। हा कि हिंदी हा महिंगा महिंगा महिंगा महिंगा महिंगा महिंगा रिगासि देवाके साही व शवा है बद्धि मार्थ मार्थ मार्थिय में मार्थिय है महिरापेट, हमाथ तह हिरा ह

मित्रवात हुन व प्रमानिः । ने भिष्ठिमधी हा मण के कि कार मार्थ के मार्थ में स्था में स्था में है जिस मंत्र है। मार्थ दे विमानि प्रमान वर्ड ग्रमा भिमा शिमा वर क्रिक वर्ड ग्रम् मु. बिन तुवा बाप बाप महामा भाग हिन (वाप) समनुवाह (सहाम) उमेमां विदे उर, हा वार - ममेरे हिमामां अंसी भाष (वा) विमामक राष्ट्र रामर विश्व मार्स मिराम कार्य कार में रामिना हे दिस उन्ने हे हैं गा हिड़े (क्या) किन्ड यह - बुझ है दिलि हिस्स थर है। वे वे हें ने विकास मान - हमा महा है हैं के का मान ह तां ने बहिमा त्री नांसा ने हा जैवान वर्त ही बहिमा तरी नांसा द्वा के अपने अपने अपने अपने अपने में में प्रमान कि प्रमा में में आमा मार्बिस है प्रवहां बचने हा- है तह, जिस कि महिमा प्रमान हैराहरू हिन्द्रा है मर्ड हिन्द्राम्य - हर्र हिरिए गड़ गर्द खाड उत्र ह 162 र हे कि कामसार है मासा दिह्य की साम मात के प्राप्त की कि हि दि र । इस्ति क्षा कार हिस्ति के मार्थ किस्ति (पार) दे हर्थे। पे नाम नाइन मिरिया विभिन्न समार है असमवान बन्दा है। महि मह सक्षा महिला रे मार्र हिन दिवारां ववरे हैं, डे मकाम, हिम्बिड विद हाला है।। दिमार हर मेट गरह डिक्समार हे रावह हर हर से हड़ी राम रिस ये हमादित हेड दे देने हिस्ता है स्वा हिस हो हर है है

हिमार्ग है। है मारी हर , है कि इस हमा का हहा है। हिमारी मार्गित्म में भड़े में अन्य है, विवाद में अवसे (अमें) हम्म ववन मिराषाइ ए एक माथ है एक प्रमुंत हैं भाषी है जिस है काइ पर ह हा सव समर हहामा भव-रिमाशा मामीव-वेसी रेश वका इति। थरी में मिस्रिया डा- प्र मान मिल वरन बसमेर शहन भी हामी हार हे हिटी हि हि डि हि कि लाड रहार छि है है है ह कित्ता - माराम बेहरमा श स्थाह ए राज्य के ए एड पी ए है माराम 163 मार्ग में त्राम माथ प्राप्त बिरिड कु ।। मेरियर तर्म मेरिया है सार में मेंबासं के 99 है सार दे प्राप्त के कि हो विश्व में प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त में प्राप्त के प्राप् क्षा के भग्ने सामित है अर्चन देंगी हा आए इस मैं बार विश्व है। गा है। में पर मीम श्वम है न संग्रही भवा हारम है। वा प्वा नेपाम वाप- मार्ग बाह्य कु वृह्म प्रमायात ववन मुहा- ममेरी बहाम क्ह रास हाव हिता मन नियं हित है कि एस मार्थ है कि है मा प कि नाइ क्या है। प्राह्म की हमिम की हम्मा के में ने कि हमा है। मुसा जल हम नह है। व्यक्त त्रीक नमें कि एक मार्थ जल मार्थ महिन्द्रीहा समेर हे आकार कार्या अपन महिन्द्र ।। हिन्द्रामा हो हिन्द्रीमा 164 का ने हिमा मिंद्र मिंग हिन्द में के हिन्दी किया है है। माने हैं एक भने। हिन्द्रमी लग्र हिं एड निस्तिनाड ।। दिसीह है समझे एसा दिसामी द अमेरकाम हि मेरा - एड्रिम एसम्सा ॥ द्वाराहि हिर्मेट हि हेरिह हि हेरिह

- मड़ है, तमा है विद्यु है ॥ हा माईवा-विभाग विद्यु हिमाध्ये म कुंगरी मिल । हराह हिएक नाम मार्थ ॥ हरिएक हिरम् मार्थ वाशिष्ट्र हराउ-स्क्रीने भाग री प्रमान री भवमारा हा-मेनं है क्मन इन्हें (बुडार) नावृद्या है। मन ही मीयारा है मायत हाये 1628 में में हैं (M) ब्रिट ने कार है ने अप में में से के हैं है 3) ने। हा जला मला हिन्छे अर्रहड़ उचिना दिसारिस गाईड - दिसां छेप दिसा म, नेया युक्त बुक्त प्रश्न खन्म डा- न्या सद्यं देव (अपनेश) बैता नू ॥ िहमां किम दिलां हिन विमामायव क्य है, हा- केरी विसी मार्वेक- मिमरी त की वैशा है। दिस् हिन रही गाउँ - हिपानी कुप डिकी हैं कि के ते हिपान वंत्र भूगा अलमल मध्य अषा मधा हिन तम्प्रीय नुगमां हिन्नी. - र होने केरे पुत्र है यहा जातां मातां हिन है मरीय- हमारी। हिम मिमिड हिमाडी हो महि हो है से हैं से हैं से हैं सि है से हैं सि हैं से हैं सि है सि हैं सि है सि हैं सि है सि हैं सि है सि हैं सि है सि हैं सि िहर ही हिमाराध्य में विमा है। इस हिमां हिस क्षेत्रिमां हिस में भार करी 199 देश है अध्या माने माने तेया अवत न दिन-मेन माथ से अहए आ है। इ. शानु संवत्त्र हा- अप थीवरु (अस्ति। असी है सिक तर्तेवारे-कि माश्चर तर वाय प्रधाण न वाय न वाय है। है। वाय के वाय न हें जामन हैं। है पि है एक होंगे महा है हिहार है पह कि का मान हैं। ह स्थाप क्ष्ट्र हा अहा हा आता है हम हिंदेल हा मान है। मारिडेर विष्ठ थारामा गिर्वासमा हि । हर् भे से भाग रह देखा महिर्छितिहर्ष हिस्तिहरित्य - एएए मा नहे। हि सिर्हाम्ह

हा मात्राह हा हा है। हा हा हा है। हा है। हा है। हा जा है। है। है। है। क्षिमाडीतर - थील हे एक होता है विशे हे भार है। हो भार हिल्ला है। नित्र होता होताम होताम होते हिंडी हिंडिम होता है । वहां महार १३१ विकार के भारति है है में भारति है के महा ही भारति है। आहि डिगर मारिकाम शिक्ष है कि है कि कार्य में अप प्रिक्र री में हा है भागादि- नेना भावि हती थे। हा- मेरव्य वसामा हम भाशीमा हिर की मांड मह कि मही, हिडि हार कि मारि मीहा है।। यह सेडिमामल स्राम् मार्ग है भागरा (सेडे- वर्ड रास्मामण री, जी भूतम उन्हीं दे बिमाल जीहां भीने राज है तांते वह हाता है। है। इसी विभाग बार तरह है। विप्त स्था है जार रहह बार है। वि कारियाम वसराय में बता है।। विविध भर्षात बाव हुआ हुआ मारे में विवास निर्मात का मार्थ है जिल्ला है कि है है। स्वास में मार्थ सामित 198 मार्टिश के साम के हिल्ल मार्टिश है मिंड मार्टिश है मिंड मार्टिश है मिंडिश के मार्टिश है मिंडिश के मार्टिश है मिंडिश के मार्टिश है में मिंडिश के मार्टिश है में मिंडिश के मार्टिश के मार मारा है ममत्वावववरेरी हा- है जावा राजाव, भामवारेडे जावसर - सर हाले वर, प्रामी वर, हा मड मामवां मा हाले माप है रामावावां वनरे वै हा-सीवां वप पावां है एपाता पाद्वरहाले स्वामां भारि मार्थ है कि है कि एक हैं कि एक हैं है कि है कि है कि कि प्रमान है प्रमान मामर हुई विाडे एक्ट कि के आसी के दी हम नड़ मह कारमार है जाम - बार में ॥ काम मिन्या हिस्सा मिर्ने में मिन्न में मान मिसा है।। हिस्स स्वार

हाउगर यीव मंड स्डी स्की भार हर कर हे जामा भार एक स्टिन भार मार्थ हे हाम हा विडा तक है है है है है । इ मार है गाम हा- चंडत प्रजित मेर तहरे वित स्थ तहरे वित स्थ तहरे - 13 गाउ- हिस ह विराह वाउ- म्विंच रही थेरा डेवा मीव वहरा पारिषां हे कार्य है हिए भाग साम हास र सहीम ॥ है हिपेट मिलाह आर विप्रिति हान मिलिस नाइ, हिराद्विप किर्द है हिर वित्रे ने प्वाट ने वे, हारमक पार भीरवे, भारित स्वान हो कि रे (प्रवात) मिमने हरका निक्रा है, पिमाना है हा-विवि भाष रे पिला के कि हा जे डेकामां बाउं बर रार्थ हुए लिस् , मरी 196 कि का मिल के मिल क में भात अवस्त्र ने महा दिशा है तो है कि के में वे क्राइ की वित्र है।। मार्थित प्रवाह मार्थ (सही) मार्थ होती - राष्ट्र-हाइतिहरू उरा। हा- गुने हाही बाह रही विसे राहा हेवी मक्डे प्रतिश्वाहा है मस् विराह सम्मार हो। मा ने हैं। उस में हैं मिस् के कि कार कि है है त्री परा मिरिड दी। मध्द बुडान - मादर बुडाना क्रामा के अवाडी व्यहा-भार यात हेन् ह्या मार दर माया वर, माय विमे हे वट हरें बीउउट ने भागान है विमे हा ब्रमहिमा मुहम्मा यही 1309 हा ताया इस हे निवड हिमाडी हिमाडी मार्ग के हिग्री किया मार्ग के हिग्री - दिव के एपना, प्रत योच वर्त वरहारी।। मिर्डिहीर क्ला माम मारि

-भीड हिंद - बद्धे डें ववदे दवम, वैभवत हिंदा है, डवाडां की विभा हामने वनने वैद्यां आंसी ववसारी नेने वीने वीम मनस्रिती गीनते नीने यकत छकत जावा तेड् देव हा-वामां वववे गारिमारे वंकत बाह ववने यायाडी मही ही गा भर क्षामहेंड- भरक्ष विमा डें विष रे हा- हवरां गमप्रवार्थ विवित्र है। विवार में वर्षे मने उसे आमियां हा भी के दाले हैं (हा- खेड मिसाम हे विश्व है एक मान स्याहरां है साम भेरा है ने से भीति है। साम के सम्म राजां है रहे उनी प्रमेशन है (हैर) जम है अख्यां वर रेभ मा देन नेते ने महिरानां ईहे हिमार डिडाक्ए (हामाभीस अंडिक मिसर हैं हैं एक कि विदेष्डि 17। की दिन प्राव विकार हिना छ एक हैं कि एक प्राव विकार में कि 17। में क्षेत्र हे का है। भाविद्या है । भाविद्या है काम विकर हा के हैं। मछ प्रेक हैं। मुक्स उद्दी प्रेडर हा में आ मिडर में प्रिकार है सकर हाका त्रवा से वावत बुंपरे हा वलपतां वसत सवीत तरी। हा बल म्यी।।। 173 का बाव र का है। भवत्र नेवान्तर हैं मह है वह हा है विश्व पन रहे

पीवत है पानत हाछा है हा पनडी है पानत हाका है। हा पिनहीं हा

निष्ठ अभित्र मिडिंगा विस्त किडिंगा किडिंग किडिंगा के का देखा है। विस्त के किडिंगा किडिंगा के किडिंगा किडिंगा किडिंगा के किडिंगा के व्यवत्रा अवाव विषय मा अव विषय हारे हार हार भारत मारिय मा मारिया ह मग दिल भागमी वेहा- भाग भिमही हे प्राची वे दहा-महरे भागां (8) है पर रास्त्र मान हिल्मिंड, हिल्मा महार राम है। है। हमाडिए स्प्रित एस स्डिविहार हिंद हिं। हा विहि विक्रि में हान होने भा डिमाग दिनमें हो सामा है। भार हो हम ही वयवे भगी भाष्ट्र हिंदे स्थित हिंद होड़ है है है। भाष्ट्र भी न अधिमा हिरिही, देव खब छच वाना स्वामरी भीमवेरे वे न्यास हे सकस हिमा है। इस मिमन से प्रकार है आरह मित्राति माही ए हा हा है। हा जान महिला है। यह हा है। हा जान र अवपोर वयो हाका र हा-आप अवये विमे का बारिया वेहिया 1240 309 ते वे 3 प्रमाधा मार्थ में विश्व के साथ मार्थ में के कि के अपनी वेद्य ह्यूमा। एट देवह हम एस हिन एमा हेवह किर एस हिन हो है है विडिटी हैं, हिंदी मामा महित्रा है विद्या है विद्या है हैं। मामा विडिटी विडिटी 13 12 सबस प्रमाम्, सबसे प्राप्त ववण झामा वा वा वा वा विमा ववण विमेरा की बीडा रेहिए मा मेरी है। मन डेरी वीवडी बर्ट रहा, हाले हे हा- दिया ही, भावत, पारी है। विम्रेडिवर में भाव है क्वार मामपित्री ही एति । दिन । दीवडी मरी वक्टा हा- भवावा हिन भवाव हाक्षा द्वा स्वाद्रमें १ के अवह दा स्वाय कु दे आर्हिश्य विवेश स्थितिहा क्रावा हा से विधे से प्राप्त ह वक्ता मान है वक्ता मान से माना मिना पर्हि हिंद हो। हो। हो। हे हिंग इस है विकास है। इस है मही अपने मह से है। भित्र के भित्र वेतात हाकि आहें। अभित्र , निर्दे में विविद्य विवास की हा हैं मिंडा ही भी थी हा इत्याम ाड दिरिए हा डा थि भी हैं हिल्ली हैं। है हिरगि हिंदी प्रमार है कि हा में मार है कि है है है है है है है है है िर्वे अट्ट हाला है। हा अला किएने ववने छहा बड़ां रा भाषवर । अव 177 डे तथने. क्राम हमंगे डु तिष्टिन्। डु तिष्टिन्। डु ति ह १६१ रियमीक है स्मेर है अपन है अपन है जिस्सारी है है सम्बंद निर्मा मार्ग अम्मन वृद्धि वि अग्र दा मार्ग अधिक विधार्थी है। सव देशी मिमामा (हर्ने - वित्र क्षिया के किया मिन्द्र मिन्द्र मानिक स्वित मिन्द्र मानिक स्वित मिन्द्र मानिक स्वित मानिक द्रमहिराहराय है हि हि हि ए मंडितियार का है कि पर है काम भार चेपरी हा माहिंग, भाशिमा वी नेडर मडा पाने। हिंदा विवर हाला राधार है विद्वाता है विचित्र के प्राप्त के निष्ठ भापनी ने मेमाक्षे हा सिमी बीडी ने कि वीडा ने सिमा विसे सा। भाजपरी हा भाज, वडीर ब्रामां, हैउहारे वाम जिन्दारा है एडिए हें समार है निया है निया है हिसी स्थित स्थित है निया है

180 वी भाकेंग हाला में हा भी भिड़िंह माग्निंड व्यमी भामाया विड है। भागा वे मामकर है। मामक कर हिर्मे विद्या है। है। से हिर मिन में किमांकर एकिनाए वर । किहि हमी एकिमा निकार मिन कि कि 11 है छाड़ र हाम दिख्यामा विद्यास है है ए दिसारी - द्वार डिहा मान हिन्दी मड है मान्य है एमहिन। हम हैडे माय मडही (याहिन) पाल हां ववरे ने नह मिमान सीम हा पेर रहने मन मेहन रीम 185- हा ता श्रेडा वेव हा क्षेडिह देग्य वे के वेपड हाका वृत हा विधित्राम-माना है हि हि कि हो मानिक है ए कार के । हि । में ड र जाप जपते जेंग है, हा - जपत हासी भां की लंहिन है की जाहि भां 183 मारा वे ह आवल दिन थे: - अवल - वलप तां ने विच मेर विका अव है वहर हासा है हा-वहरा हुए पूर्व समार है वहर हासाहै॥ हा सिर-मित्रमं वीवडी बुप मेरे दिए महावा मनसादिन में वन महाता व का मन न्या वावरा वयन १ १ १। वक्त वव व अयम ध्रे वन ए हा थि। के। व्या विशे में मिहमी व्या हार्य में मिला हैं दियां है की व्यव वृत्र (श्रि) प्राप्त चयप्रहामा ने हा मवस नवर है उनप्र हासा थू। 184 े सन्वास में सक्स हिन आरत था आरत सेत में बार सवस वेत ने किया अस्तिया है सम् है सम् है समा भारव वीवउर वृष्वी। हाने सम वबरे चरा छें वसारे मांग्र चरा।

हा जम हारिकामां हिर्च भाष रा जाती।

यान क्षेम हा मस्य महिनामा डिन्डीम स्टम प्राचा प्राची र्वेट् की किंदूमां दिये का रह देश है। रामें वात वारे - वामिलां दिये वा न वंगमें हा वारिमां हा वी एवान) प्यामंवर्त हा - प्याम रा वी प्याम रीगता विक्षिरे रिकृदिव रिकृती का विक्रामाहिन विक्रामां वया हा हिर्दे । दावी है देवा हा हिर्दे न हिर्दे । हो है विहार है विवार मंद्र रामाराष्ट्रीमा रहिस्यामा हाह हायाड यह हि है हि है हि है हि इडिक्स प्रशिक्ष कर केत आ क्षामार दे तिवासंव व । यह इस दे व से से दे हैं त्यामं इत्यां हिंड त्यामं मैतिश्वा है। त्याम है। दाकाश्वा मार्थित स्था है। मार्थित अपनी है। निवासाय हारा हिन विभागत स्था है। मार्थित स्था है। है। जामाय हारा हिन विभागत वार्थित स्था है। स्था है। है। जामाय हारा हिन विभागत है। जामाय है। ज सिन-उर्दा पहिंग के वार्त हिस्से मार्थ हिस मार्थ हिस मार्थ हिस बारे से में उछि हिय जी पर्वे ही जै परीमां हा लिया में अमेरी जे मारिय रे वरे सेव र गड़िसी मां वसुं हिरी मां उत्र हेठ हिर वी पड़िसी वै

हर ये मिलीसा है वारिक्ष है वारिक्ष मार्मिता है। मत । हिएम सामादी है है हिसामादी है कि फिल्मम सहि हार शिक्ष के वामी उत्तर हैं के अभमवान है वे वे में वेह हैं वे बर हैं हैं भीड़ भीड़े भीड़ी मां हिन भीड़ व्यर्थ हा- मलाठ वालं हिन माग्राठ वालं ने मान मेंता है। प्रमेंगही संग्राम अमुग्रि भिड्यी हिसर् री महायन-हा- इंजी है ह इसी वय भैड़ां हिन भीड़ व्यक्षी। तमे पिलार पिलारे-विभारी भागे के जिलाकी में हा- विभागी में विभाग से सामित्रामानी इसे गुए क देम ही क्या भाषाम देश वाहडाका मित्र मारिया मेर्डे. विभाग ही उन्हें डेन विभागत ने हा विभागती डेनी उन्हें विभागत गही मुवार किसार ए असमाई माई हार्ष समक्ष हार्थ है पत प्रमाणी पर परिष्य महिन्द्री भाषी से - एस पर मेर ही हि एक प्राप्त 181 मत् इति । अमें पर में निवादि । अस्ति है है सित है पा अडिम के क्टि ईए शामा के हिल्ह मह ।। है तहाड़ ह हे हा मारी है भारति ।। र कि एक हैं महासी महा है कि कामार किंह जामा मह इसि ह -तां है वेबातहाले, हा बहुंस, राहे पापद माहि, (वेब वेटी मारि हारे सिर्धाइएक एमें हे सम्प्रामा (हिमा) क्षेत्रहा है। टिएकु हस्टिक्डींन्स्स्टि (केन्स्टिक्) क्रीमा विभि ठाउमारि (स्वर्धः) हा इंडे स्मित्र एमडी- भारियाम मुपर्य हा जीहा गरिव ही मर हा वैवां रावेंवा पात हाले वे बाह ताम ववत्र हाला वै। तमे पात पाते जिलामात्री रे समात्र रहा है विशेष भड़ित मार्थ में में तद्गा हा मारिक्षा पाष्टी भां हिन पाषी क्य हा उसांहिन गर्स सिक्षिणा क्या सि भी भिड महामा उनं न महिष्य विकामा में हा प्रभाउमा देशीमव डेना में प्रभा हिंदी भी मित्र वर्ष में हा पारी पीय हा किमा न पीय हाला ने विग री हा पारी देव हाशिया मठवा हा भा ने पीर हाकारी माथी पार्ट हा स्था हे मिस् हिमामा है हिमामा है है से हैं मिल्ह है ही जी उ॰ भीछ डे साई पीरामी॥ तमें बला व व उा सकारी व व तहाल युक्तामार में में मान के बेत असमयाय महा में में में प्राप्त प्रमा कर वि नी है जी है बाह भीउठ वत्र सी हैपापी में हैमा जी प्रीउ वे विवारी।। हा मेंवा वामचेंवा है सेवा जाम हैम सायहां मिर्ड वेवे स्कारं है। उसे वका भग भार भी विनिधि भी है। भी भी भी भी में हिन्दी भी दे हैं (बामाप (बामाप - ब्रामाप में व्रामाप बत्र हा- व्रामाप में सापड़ेहामा निवासं इति असप है यससवाव है। आया हि विवेड आहि है विवेड म है। विसास प्रामा में विसास के सम्तेन विसास में अमतीन विसास 198 सिन्दी हारी देरिवर्षवान वर्ण- व सिन्दे सकी दर पाप सं वस भाग रा छ सिर्टिम्डी डिसिडेडिट है लागाने उठ ईवीक हिन्डेडी हैं। वेमा रा विक्रव में में विरुक्तां है जाम बठत हासा हैवा मूप मैं। हा वक्की

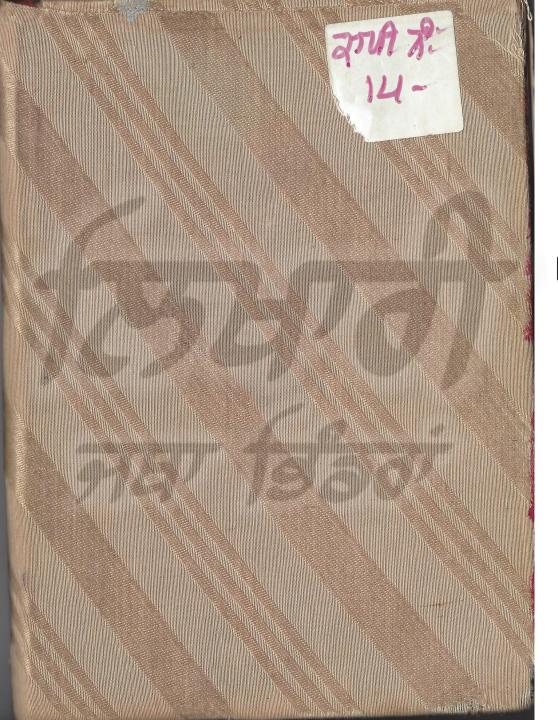
रे वकर हाका डेक सूपरी। मार्कवात मार्कवे - इसरां दिन, मार्कवे, व्यत्र वृपरी हा-भाक्षेवातां सी मजाहर वृप, भाष्रीवा भाग री हा विभग्न विभाग है भाग है गर विराह एक पेक्स महा हिल्ला महिला है एक हो है। यह कमें जान अमने अमम, मुख, मुखीमां हिन मुखी दुवरे (हा- मारी मां गमामां हिन (नामा) भागाता व्यर्थ हा- मामा ववर हा जिसमें हिन गमामा कुप विवारी हा महरा भा मिलामां हिंहे देवा भामता केवा सिमा मानि निर्मा है। मामा हिंद कि मामा माउडीक की न । इगिर् पुरु वर रहा है मार्थ है किया मामा है कि है मार्थ है कि है उँग क्रमें साव बीदे देहिलां हिन टें हे बुग रे हा- भेंड 'मारि हिन सेंड है -हाह ने हिंदे हिंदे हार है है हिंदे हैं है जाशा नह है है म्बारी है में है में है में है कि है हैं है में है हि में है हिम्लू में मित्रा हे इस मेल न आहुगा- मेर मित्र माडिका दिया ही विश् डिक ति है। है कि है है विक है है कि है कि मात के कि निया है भेवें वर हाके ने हारियां वाका है ही में ववर हाके।। 11 िर भार दिसार हिल्ला कार मार्ट मार्ट किया है है है जा किया निर्देश उर मवावर ब्रेर वर हिव महती हिव डिगडवां रे हे गाव गर हिंग

मिन हिन माला राभावत का विश्वास की हिन भारति हिन भारति । ਵਾਲਾ ਹੈ। ਅਤੇ ਹੈ ਜਿਤ ਹੁੰਤ ਹੈ। ਅਲੇ ਲੇ ਹੈ ਨੇ ਤੇ ਰਹਿਤ ਹੈ ਵਾ-क्रमा ने विद्युन है। वेदी से साव मन मिन मिन में मिन मानिहास न नेवी मरीहरी। डेर्ग मेर में ही विद्य हम पविश्वामात्री मां रार्थ मार्थी हिए एम म्हेमिन हिमा ११६ हिमार ११ विहेट भी अहिए भी रेजा (हा-से तरी विमे हा सरीहिमा रेजा। हा भाषिकप्री गामल रेग मानेम विस्तिम माहि उरंग हे. विश्व में हा मामन्त्रम है पिन हों मानी स्मिरह काम भिक्ता में कुरही है स्ट्रीमा के प्रधान ।। प्रधान मिहिट हिट मार्स है नहिंदे हिंदि है मार के मार्स देहती है है कि डी किमारी कि सम्भा मार्गमा महिरहीह मामा गड़ महिरहाड एक मार है ग्रह इनक द्रहाका शा है। आ. सबस्व में वास-तवासं विता। कर है - हिमा गाउंदिमा श्रीक दिस हाई लह हिस्सा मार्थे मिरिमा 2/23/1 अम्ब्रेस बाबा सिंगा प्राप्तिकार प्रती सामा असूस रिया साथ में रिया - गाडी नेसर रिवर्डना मनाए जेन म्यानिमेरा धासा रही हारिए हिर हड़े किए लाम- महीमा एड़िए हिमाडीड जामाडी हरी मार में प्रता हि महीमा प्रमा - महीमा ॥ दिस् किर्य हि मामी हम पर्नाम विका हार्के वे राष्ट्रिवाको में विवित्र वे ॥हम बेकां विवित्र वे कार स्वामा माजाम वासा हिंद प्राया प्राया माजा स्वीत मा हिंद माजा स्वीत माजा

उन्माउववेडहाला मार्मेर वर्त हिन क्राम हा स्प सम हती। मई हमार्थ हिमार देशक मार है एममह ए।भाष्ट्रिय किल्य में मनिन अमर्र र के रिवर्गार वा मियर मियर हिर्मा है। रा मन्पर्व (विशास) वनम मधारी विपार (विशिश-वन रहा--ाडा कि सार हिस्की कि सक्समा - हिर्मि प्रमित्स । रहा है एक-महत्र मित्र सीमिपी भारि हेर्ड हार्य है। हा नमारी हिस विमात्र हा युड्य भाष्ट्रिभाग । वाजाविय वातीरे उपरां वाजाय, दिलाह खाडाहि।रममाने-नमिराहण है किन्त में कार्याहरी हार्क्षडा उने मानिक हे हार्क्षड हमार साहित । हिर्फाड में कर्न हराड़ी कर्न हें के के के किंदिर हैं है है है है है केंग क्यां है जेन विकारी।। हा अ री वे क्य द्वरी वारे हैं है मारिका माहि है है कि हिंद कि उन में मिर्ट कि विश्वास हिन भने नम भन राष्ट्र है हमाहै।। में भने हैं में विभा हार है। मेडे महा हारे हैं। हा प्वामहार है, भी यह वर्म मड़े साम मिन हिल्ह हिन्स कि हिमा है मार्क मान देलास मिक्स में मुक्त हैं मांबसाउ मिमल वरे हैं हिंग- महल जवाड़ी--गामं मपीरा हा मक्य मुवा डेरे में मुन करेरी। द्वारी प्रामी इस साधिव वास है माम वह मेहाले वे एहा - हमें ममें जेग लाह कि भी नहें हि कि उत्तर है हैं में है रहम हमा महस

िष्टमा गट्ट हिए हे एक में हे अमारीम मिम्मा हे हा - हाए मा मारे मार्ग्या से हंद एमा वृद्धि मा हिल्ह सम मार्गित किया दिए हिल्ह माद्वाप दि हम देवक ममेंड गड़ दिह है एमू किया डि गर्डिटरी क जिए सका म सिहिंध है कि है में कार्य में उन्हें के कि है में कि ह िमार सिमा हिमा हिमा हो सहि भिक्क भिक्कमा । डी छिक सम किका िक मार्डिस है है है हिला एट हिने में एक महिला है मार्गिक रिप्ता है हिए हैं है कि है विस्कृति स्वार्थ The second of th

time ह हिए नार के एए हिंदि एवं है। ह ध्यमम् -: न्या के स्थाप प्राह्म इ. इ. बु घ्रासवाय वबुहेडाएँ अहि था ने प्रमाया व बुहे किंद्रमस्य ॥ हा रे १ १ मध्यात १ १ १ मिन हिम्म हिमा है । हि हिमा ग्राम - प्राम के किन हैं मारियामं है हमा वर्ष ग्राम वर्ष गारही है हैं। महार हिंदि बर्ट्स मिलाम खेर हिमा गढ़े छि। इ (त्रव्याप्ते वामातां विश्वा विश्वे- भाषिमार प्रक्रम भाषा वृत्तामत्रपं रेष्ट्रहारी नि म्हे महामा है भाषा है भाषा है मानवरार्थ है। वक्सां है जा ववरा है। एयरा विखें- मेमर पवमरी विखें राका है।। हा-परमार्थितिक एक हिंदू ही तामात्री है सर राज्यात्री है स एडि द्रामें हा ने प्रतिमारम । हासाइहरे हिंहमें कि मार



For more books, audio and video of Giani Pritam Singh Ji and Damdami Taksal visit our facebook page:

www.facebook.com/gianipritamsinghjilikhari